सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 156, नई दिल्ली । शुक्रवार, 16 अगस्त 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जब तक जीना, तब तक सीखना, अनुभव ही जीवन में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।

03 सीएम आवास पर तिरंगा नहीं फहराया गया', सुनीता केजरीवाल ने किया पोस्ट

06 बनाइए अपना खुशी बैंक

08 पीएम मोदी ने लाल किले से क्या-क्या कहा? दर्शकों ने 135 मिनट में 49 बार बजाई तालियां

घरेलू यात्रियों को भी मिलेंगी अंतरराष्ट्रीय सुविधाएं, दिल्ली एयरपोर्ट का टर्मिनल-1 तैयार; सेवाएं 17 से

संजय बाटला

दिल्ली एयरपोर्ट का टर्मिनल-1 बनकर तैयार हो गया है। इस टर्मिनल से घरेलू विमानों का संचालन 17 अगस्त से शुरू हो जाएगा। योजना के अनुसार टर्मिनल-3 व 2 से स्पाइसजेट और इंडिगो के 13 विमानों को शिफ्ट किया जाएगा।

नई दिल्ली। घरेलू विमान यात्रियों को भी अब अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जैसी सुविधा मिलेगी। दिल्ली एयरपोर्ट का टर्मिनल-1 बनकर तैयार हो गया है। इस टर्मिनल से घरेलू विमानों का संचालन 17 अगस्त से शुरू हो जाएगा। योजना के अनुसार टर्मिनल-3 व 2 से स्पाइसजेट और इंडिगो के 13 विमानों को शिफ्ट किया जाएगा। वहीं इंडिगो अपनी 34 उड़ानों को टी-2, टी-3 से टी-1 पर 2 सितंबर को शिफ्ट करेगा। आधुनिक सुविधाओं से इस टर्मिनल को लैस किया गया है। इससे टर्मिनल-2 और 3 पर दबाव कम होगा और यात्रियों को बेहतर व सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा।

नए टर्मिनल को डायल ने फेज-3 की विस्तार योजना के तहत मूर्त रूप दिया है। इस टर्मिनल का उद्घाटन 10 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। डायल के सीईओ विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि 17 अगस्त से नए टर्मिनल का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। विमान में बैठने के लिए इस टर्मिनल के यात्रियों को बस से विमान तक पहुंचने की आवश्यकता नहीं होगी। टर्मिनल-3 की तरह ही एरोब्रिज से सीधा यात्री विमान में जाकर बैठेंगे। नई इमारत यात्रियों को सौंदर्यपूर्ण रूप से मनभावन वातावरण प्रदान करेगी।

प्रस्थान और आगमन

स्पाइसजेट के यात्रियों को उड़ान भरने के लिए ग्राउंड फ्लोर पर एंट्री गेट-ए से प्रवेश करना होगा। इंडिगो की फ्लाइट लेने वाले यात्रियों को पहली मंजिल पर एंट्री गेट 5 और 6 से नए टर्मिनल में प्रवेश करना होगा। सभी यात्री ग्राउंड फ्लोर पर समर्पित आगमन गेट से बाहर निकलेंगे। डायल ने इंडिगो और स्पाइसजेट यात्रियों की सुविधा के लिए प्रस्थान की दिशा को इंगित करने वाली सड़क के लिए साइनेज बोर्ड को लगाया है। इसके लिए इंडिगो और स्पाइसजेट प्रस्थान के लिए निर्देशित करने के लिए गार्ड को भी तैनात किया जाएगा। आगमन के लिए यात्रियों को टर्मिनल से बाहर आने के लिए उसी आगमन मार्ग का उपयोग करना होगा।

टर्मिनल-1 पर यात्री सुविधाएं

डायल ने भविष्य को ध्यान में रखकर 2019 में टर्मिनल विस्तार का काम शुरू किया था। इसे मास्टर प्लान 2016 के अनुसार बनाया गया है। यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधा देने के लिए क्यू-बस्टर, मोबाइल चेक इन सेवा शुरू की है। इससे यात्रियों को चेक-इन काउंटर पर लंबी कतारों से बचने में मदद मिलेगी। इसके अलावा ऑटोमेटेड ट्रे रिट्रीवल सिस्टम, इंडिविजुअल कैरियर सिस्टम, कॉमन यूसेज सेल्फ सर्विस, एयरोब्रिज, सेल्फ बैगेज ड्रॉप कियोस्क सहित चेक-इन काउंटर जैसी अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। बेहतर शॉप और खाने की सुविधा भी इस टर्मिनल पर है।

प्रार्थना कक्ष भी बनाया

टर्मिनल के अंदर प्रार्थना कक्ष भी बनाया गया है। इसके साथ ही योग क्षेत्र विकसित किया गया है जहां शांत क्षेत्र में बैठकर योग किया जा सकेगा। लैपटॉप चार्जिंग स्टेशन, मोबाइल चार्जिंग स्टेशन, स्व-चिकित्सा कक्ष, बेबी केयर रूम, स्मार्ट वॉशरूम भी यात्रियों के लिए उपलब्ध है।

मेट्रो की मजेंटा लाइन से जुड़ा है टर्मिनल

टर्मिनल आगमन और प्रस्थान के समय दिल्ली मेट्रो की मजेंटा लाइन से इस टर्मिनल को जोड़ा गया है। दिल्ली परिवहन निगम की बस सेवा नियमित अंतराल पर इस एयरपोर्ट पर उपलब्ध होगी। डीटीसी की शटल बस सेवा के माध्यम से टर्मिनल 2 और 3 से अच्छी तरह से इस टर्मिनल को जोड़ा गया है। विस्तारित पार्किंग सुविधाएं उपलब्ध हैं। पिकअप और ड्रॉप-ऑफ लेन वाहन यातायात के अन्य संसाधन होगा।

दिल्ली मेट्रो ने रचा नया इतिहास, मेट्रो में सर्वाधिक यात्रा का टूटा पुराना रिकॉर्ड; डीएमआरसी ने दी जानकारी

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली में हर साल लाल किले पर विशेष आयोजन होता है। जिसके मद्देनजर राजधानी को जोड़ने वाली सड़कों का रूट डायवर्ट किया जाता है। इस दौरान कुछ सड़कें बंद होती हैं। इसी कारण से15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्व पर दिल्ली मेट्रो में यात्रियों की भारी भीड़ बढ़ जाती है। DMRC ने कहा- मेट्रो ने अपने सर्वाधिक यात्रा का रिकॉर्ड तोड़ा है।

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में एक दिन में सबसे अधिक यात्रियों के सफर करने का रिकॉर्ड एक बार टूट गया। 13 फरवरी को सर्वाधिक 71.09लाख यात्रा (पैसेंजर जर्नी) हुई थी। 13 अगस्त को यह संख्या 72.38 लाख से अधिक पहुंच गई।

यदि कोई यात्री मेट्रो बदलकर दूसरे कॉरिडोर में यात्रा करता है तो उसकी गिनती दो बार और तीन कॉरिडोर में यात्रा करने पर तीन बार गिनती की जाती है। इसके आधार पर पैसेंजर जर्नी की गणना होती है।

DMRC ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (DMRC News) ने इंटरनेट मीडिया पर मेट्रो में यात्रियों के सफर का रिकॉर्ड टूटने की जानकारी दी है। उसका कहना है यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा कराने के मिशन के कारण यह उपलब्धि मिली है। इस वर्ष तीसरी बार यह रिकॉर्ड टूटा है।

पिछले वर्ष जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान चार सितंबर को सर्वाधिक यात्रा हुई थीं। उसके बाद 12 व 13 को रिकार्ड टूटा था। मेट्रो के तीसरे चरण के सभी कॉरिडोर चालू होने से लोगों को कहीं आने-जाने में सुविधा हुई है। इससे कई लोग सड़क मार्ग की तुलना में मेट्रो से यात्रा कर रहे हैं।

पांच सर्वाधिक मेट्रो यात्रा

तिथि- सर्वाधिक यात्राएं	
तारीख	सर्वाधिक यात्राएं
13 अगस्त, 2024	72,38,271
13 फरवरी,2024	71,09,938
12 अगस्त,2024	71,07,642
04 सितंबर, 2024	71,04,338
12 फरवरी, 2024	70,88,202

FY 2023-24 में 5,000 करोड़ रुपये रहा मासिक टोल संग्रह, जिसमें 98.5 प्रतिशत था इलेक्ट्रॉनिक भुगतान

परिवहन विशेष न्यूज

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) की पिछले वित्तीय वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान फास्टैग के जरिए इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह 5000 करोड़ रुपये प्रति माह से ज्यादा रहा है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) की पिछले वित्तीय वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान फास्टैग के जरिए इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ETC) (ईटीसी) 5000 करोड़ रुपये प्रति माह से ज्यादा रहा है। जिसमें लगभग 98.5 प्रतिशत टोल का संग्रह इस जरिए किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है, ₹31 मार्च, 2024 तक, सामूहिक रूप से बैंकों ने 8.81 करोड़ से ज्यादा फास्टैग जारी किए हैं। ईटीसी के जरिए औसत दैनिक संग्रह बढ़कर 190.68 करोड़ रुपये हो गया है और कुल शुल्क संग्रह में 98.5 प्रतिशत की पैठ हो गई है। सभी लेन में ईटीसी इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ 1,365 राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) और राज्य राजमार्ग शुल्क प्लाजा हैं।"

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान कुल टोल संग्रह 64,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा। मार्च 2024 में सबसे अधिक 5,911 करोड़ रुपये का टोल संग्रह किया गया। जबकि जुलाई 2023 में सबसे कम 4966.07 करोड़ रुपये का संग्रह किया गया।

पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, अंतिम वार्षिक रिपोर्टों के अनुसार, दिसंबर 2022 में सबसे ज्यादा 4918.4 करोड़ रुपये का संग्रह किया गया था। इससे पहले दिसंबर 2021 में यह सिर्फ 3674.98 करोड़ रुपये था।

वर्षों से, राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह में लगातार सुधार हुआ है। इसका मुख्य कारण मैनुअल टोल संग्रह से इलेक्ट्रॉनिक - फास्टैग में स्थानांतरण था। टोल संग्रह में बढ़ोतरी में योगदान देने वाले अन्य कारणों में ट्रैफिक में बढ़ोतरी, उपयोगकर्ता शुल्क दरों में संशोधन और नए टोल वाली सड़कों का बनना शामिल है।

MoRTH के आंकड़ों से पता चलता है कि देश भर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह 2015-16 से 2022-23 के बीच लगभग तीन गुना बढ़कर 17,759.12 करोड़ रुपये से 48,028.22 करोड़ रुपये हो गया है।

वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि राजमार्ग उपयोगकर्ताओं द्वारा फास्टैग की लगातार बढ़ोतरी और अपनाना बहुत उत्साहजनक है। और इससे टोल संचालन में दक्षता बढ़ाने में मदद मिली है।

मंत्रालय ने कहा, ₹शुल्क प्लाजा के जरिए यातायात की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने और फास्टैग का इस्तेमाल करके यूजर फीस के कलेक्शन में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की प्रमुख पहल, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (NETC) कार्यक्रम को अखिल भारतीय स्तर पर लागू किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) केंद्रीय समाशोधन गृह (CCH) (सेंट्रल क्लीयरिंग हाउस) है। सड़क उपयोगकर्ताओं को फास्टैग जारी करने के लिए चालीस (40) बैंक (सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों सहित) जारीकर्ता बैंक के रूप में लगे हुए हैं। और शुल्क प्लाजा पर लेनदेन को संसाधित करने के लिए चौदह (14) अधिग्रहणकर्ता बैंक हैं।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दशहरा, दिवाली और छठ पूजा पर रेलवे ने दी राहत, दिल्ली से यूपी-बिहार के लिए चलेंगी विशेष ट्रेनें

रक्षाबंधन दशहरा दिवाली छठ पूजा पर ट्रेनों में भीड़ न हो। इसको देखते हुए रेलवे ने दिल्ली से उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए कई विशेष ट्रेनें चलाने का एलान कर दिया है। ट्रेनों में अभी भीड़ इस कदर है कि सफर करने वाले यात्रियों को कंफर्म टिकट तक नहीं मिल रहा है।

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन के कारण ट्रेनों में भीड़ बढ़ गई है। पूर्व दिशा की ट्रेनों में अधिक भीड़ है। यात्रियों को कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा है। यात्रियों की परेशानी को दूर करने के लिए रेलवे ने उत्तर प्रदेश और बिहार के कई शहरों के लिए विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है।

पुरानी दिल्ली-प्रयागराज विशेष (04145/04146)

प्रयागराज से यह विशेष ट्रेन 15, 17 व 19 अगस्त को रात्रि साढ़े नौ बजे और पुरानी दिल्ली से 16,18 व 20 अगस्त को रात्रि साढ़े नौ बजे चलेगी। रास्ते में इसका ठहराव फतेहपुर, कानपुर सेंट्रल, इटावा, टुंडला और अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर होगा।

आनंद विहार टर्मिनल-बलिया विशेष (04498/04497)

यह विशेष ट्रेन 18 अगस्त से 24 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को शाम साढ़े सात बजे आनंद विहार टर्मिनल से रवाना होगी। वापसी में 19 अगस्त से 25 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को शाम 6.40 बजे चलेगी। रास्ते में यह गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ चारबाग, राय बरेली, मां बेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी, औड़िहार व गाजियाबाद शहर रेलवे स्टेशन पर रुकेगी।

लखनऊ-पुरानी दिल्ली विशेष (04219/04220)

यह विशेष ट्रेन 18 अगस्त को लखनऊ से रात 9.10 बजे और19 अगस्त को पुरानी दिल्ली से शाम 7.20 बजे चलेगी। रास्ते में इसका ठहराव बरेली, मुरादाबाद व गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर होगा।

आनंद विहार टर्मिनल-सीतामढ़ी विशेष (04022/04021)

यह विशेष ट्रेन आनंद विहार टर्मिनल से 16 अगस्त से 30 अक्टूबर तक प्रत्येक बुधवार व शुक्रवार को पूर्वाह्न 11.40 बजे रवाना होगी। वापसी में यह 17 अगस्त से 31 अक्टूबर तक सीतामढ़ी से प्रत्येक बृहस्पतिवार व शनिवार को शाम छह बजे चलेगी। रास्ते में यह गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ, राय बरेली, मां बेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी, औड़िहार, गाजीपुर शहर, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर व मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर रुकेगी।

आनंद विहार टर्मिनल-सहरसा विशेष (04032/04031)

आनंद विहार टर्मिनल से यह विशेष ट्रेन 17 अगस्त से 31 अक्टूबर तक प्रत्येक बुधवार व शुक्रवार को सुबह सवा पांच बजे चलेगी। वापसी में सहरसा से यह 18 अगस्त से 30 अक्टूबर तक प्रत्येक बृहस्पतिवार और शनिवार को दोपहर एक बजे रवाना होगी।

रास्ते में इसका ठहराव गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, बगहा, नरकटियागंज, रक्सौल, बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, दरभंगा, सकरी, झंझारपुर, सुपौल व गढ़ बरौली में ठहरेगी।

क्यों कहा जाता है भगवान गणेश को एकदंत, इस मंदिर से जुड़ी है कहानी

भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत करने से पहले भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, गजानन और एकदंत आदि नामों से जाना जाता है।

भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत करने से पहले भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, गजानन और एकदंत आदि नामों से जाना जाता है। वहीं तमाम भक्त भगवान गणेश की कृपा व आशीर्वाद पाने के लिए मंदिरों में जाते हैं। वैसे तो हमारे देश में भगवान गणेश को समर्पित तमाम मंदिर हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गजानन के उस मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर परशुराम और गणेश में युद्ध हुआ था। इस युद्ध में भगवान गणेश का एक दांत टूट गया था। जिसके कारण उनका नाम एकदंत पड़ गया था।

3000 फीट की ऊंचाई पर है मंदिर

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में बैलाडिला की ढोलकल पहाड़ी पर भगवान श्रीगणेश का यह विशेष मंदिर स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और मंदिर में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित है। बताया जाता है कि मंदिर में स्थापित गणेश जी की प्रतिमा ढोलक के आकार की है। जिसके कारण इस पहाड़ी का नाम ढोलकल पड़ गया।

जानिए ढोलकर मंदिर की कथा

पौराणिक कथा के मुताबिक इस पहाड़ी के शिखर पर श्रीगणेश और परशुराम जी में युद्ध हुआ था। युद्ध के दौरान परशुराम के फरसे से भगवान गणेश का एक दांत टूट गया था। जिसकी वजह से उनको गजानन एकदंत कहा जाता है। वहीं परशुराम के फरसे से गणेश जी का दांत टूटा, इसलिए पहाड़ी के शिखर के नीचे बसे गांव का नाम फरसपाल पड़ गया।

बता दें कि ढोलकट्टा (ढोलकल) की महिला पुजारी से दक्षिण बस्तर के भोगामी आदिवासी परिवार अपनी उत्पत्ति मानते हैं। इसी की याद में छिंदक नागवंशी राजाओं ने शिखर गजानन की प्रतिमा स्थापित की थी। वहीं पुरातत्ववेत्ताओं के मुताबिक इस शिखर पर ललितासन मुद्रा में विराजमान दुर्लभ गणेश भगवान की प्रतिमा करीब 11वीं शताब्दी की बताई जाती है। यहां पर रहने वाले लोग 12 महीने ढोलकर मंदिर में श्रीगणेश की पूजा-अर्चना करते हैं। वहीं फरवरी महीने में यहां पर मेले का आयोजन होता है।

आपके iPhone में तो नहीं है कोई हिडन App, इस तरीके से करें पता

आईफोन इस्तेमाल करने वालों के फोन में ऐसा ऐप होता है जिसके बारे में यूजर्स को कोई जानकारी नहीं होती। हिडन ऐप को खोजना अक्सर मुश्किल हो सकता है। एपल आईफोन में हिडन ऐप्स को कई तरीकों से खोजा जा सकता है। आईफोन यूजर को इसके लिए सर्च फीचर, ऑल होम स्क्रीन को इलैव्यूएट करना, ऐप लाइब्रेरी को वेरिफाई करने जैसे ऑप्शन मिलते हैं।

अगर आप आईफोन यूजर्स हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। दरअसल, आईफोन इस्तेमाल करने वालों के फोन में ऐसा ऐप होता है जिसके बारे में यूजर्स को कोई जानकारी नहीं होती। हिडन ऐप को खोजना अक्सर मुश्किल हो सकता है। एपल आईफोन में हिडन ऐप्स को कई तरीकों से खोजा जा सकता है। आईफोन यूजर को इसके लिए सर्च फीचर, ऑल होम स्क्रीन को इलैव्यूएट करना, ऐप लाइब्रेरी को वेरिफाई करने जैसे ऑप्शन मिलते हैं।

आईफोन में ऐसे चेक करें हिडन ऐप्स

अगर आपको कोई ऐप होमस्क्रीन पर नजर नहीं आ रहा है। तो ऐसे में ऐप लाइब्रेरी में हो सकता है। ऐप लाइब्रेरी के लिए होम स्क्रीन को दायीं ओर से स्वाइप कर सकते हैं। ऐप्स कैटेगरीवाइज ऑर्गनाइज होती हैं। लेकिन आप अगर अल्फाबेटिकल लिस्ट को चेक करना चाहते हैं तो स्वाइप डाउन कर चेक कर सकते हैं।

वहीं अगर आपको लगता है कि कोई ऐप मिसिंग है तो हो सकता है कि ये गलती से अनइंस्टॉल हो गया हो। ऐप स्टोरी को ओपन कर अकाउंट आइकन पर टैप पर परचेस्ड ऑप्शन के साथ पुराने डाउनलोड ऐप्स को दोबारा इंस्टॉल कर सकते हैं।

आईओएस 18 अपडेट के बाद हिडन ऐप्स को खोजना अब के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित बनाया जा रहा है। ऐप लाइब्रेरी में हिडन ऐप्स फोल्डर को ओपन करने के बाद कंटेंट व्यू के लिए फेस आईडी की जरुरत होगी। ऑथेंटिकेशन के साथ आपके आईफोन के हिडन ऐप्स केवल आप ही चेक कर सकेंगे।

Oneplus के नए ईयरबड्स लेदर फिनिश के साथ होंगे लॉन्च, जानें कितनी होगी कीमत

दरअसल, कुछ ही दिन बाद कंपनी के नए ईयरबड्स लॉन्च होने वाली हैं। हम बात कर रहे हैं, OnePlus Buds Pro 3 की। कंपनी ने हाल ही में इसकी लॉन्च डेट की घोषणा की है। इन नेक्स्ट जनरेशन फ्लैगशिप ईयरबड्स को 20 अगस्त 2024 को लॉन्च किया जाएगा।

वनप्लस यूजर्स के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, कुछ ही दिन बाद कंपनी के नए ईयरबड्स लॉन्च होने वाली हैं। हम बात कर रहे हैं, OnePlus Buds Pro 3 की। कंपनी ने हाल ही में इसकी लॉन्च डेट की घोषणा की है। इन नेक्स्ट जनरेशन फ्लैगशिप ईयरबड्स को 20 अगस्त 2024 को लॉन्च किया जाएगा। लेकिन इसके रिलीज से ठीक पहले, नए नया टीजर शेयर किया गया है, जिसमें इसके प्रीमियम डिजाइन और ऑडियो पावर का खुलासा किया गया है।

लेदर फिनिश के साथ आएंगे ईयरबड्स

पहले केवल अफवाह थी कि वनप्लस के अपकमिंग ईयरबड्स लेदर जैसे मटेरियल के साथ आएंगे। लेकिन अब टीजर ने ये कंपर्म कर दिया है कि अपकमिंग ईयरबड्स को एक नए डिजाइन के साथ लॉन्च किया जाएगा। जिसमें एक प्रीमियम बिल्ड, फॉक्स लेदर मटेरियम और एक नया गोल एर्गोनोमिक डिजाइन मिलेगा। वनप्लस बड्स प्रो 3 को दो कलर ऑप्शन में डुअल टोन फिनिश के साथ देखा जा सकता है, जिसका नाम मिडनाइट ओपस और लूनर रेडिएंस है।

वनप्लस ने कंपर्म कर दिया है कि अपकमिंग बड्स प्रो 3 में वायरलेस चार्जिंग का सपोर्ट भी मिलेगा। ज्यादा इमर्सिव लिसनिंग एक्सपीरियंस के लिए, ब्रांड ने इन ईयरबड्स को डायनाडियो के साथ मिलकर डेवलप किया है। डेनिश कंपनी बड्स प्रो 2 के बाद से वनप्लस के साथ काम कर रही है। डायनाडियो के साथ वनप्लस बड्स प्रो 3 यूजर्स को इक्वलाइजर प्रीसेट के बीच सिलेक्ट करने की परमिशन देगा, जिन्हें हाई-फाईडिलिटी एक्सपीरियंस के लिए एक्सपर्टली तैयार किया गया है।

बता दें कि, ये बड्स प्रो 3 भारत में 20 अगस्त को शाम 6.30 बजे लॉन्च होंगे। इसमें आपको प्रीमियम ऑडियो और डिजाइन दोनों मिल रहे हैं। कंपनी ने गायक अनुव जैन के साथ भी सहयोग किया है, जिसमें गायक के ओशन टाइटल को बेहतर बास और ट्रेबल के साथ रीमास्टर किया है। वहीं ये ऑफलाइन और ऑनलाइन स्टोर पर 24 अगस्त 2024 को ब्रिकी के लिए उपलब्ध होंगे।

पहली बार लोहे की कड़ाही का कर रही हैं इस्तेमाल तो इन बातों का रखें ध्यान, वरना काला हो जाएगा खाना

लोहे की कड़ाही में तरह-तरह के स्वादिष्ट भोजन बनाने के लिए महिलाएं इसका इस्तेमाल करती हैं। यह महिलाएं के शरीर से आयरन की कमी को भी दूर करता है। लेकिन लोहे के बर्तन का इस्तेमाल ध्यान से करना चाहिए।

पुराने जमाने में मिट्टी या फिर लोहे के बर्तनों में खाना बनाया जाता था। बताया जाता था कि इससे सेहत को फायदा मिलता था। साथ ही शरीर में नॉनस्टिक कुकवेयर का असर भी कम होता था। हालांकि अब तो मार्केट में आपको तरह-तरह के बर्तन मिल जाते हैं। जिनका इस्तेमाल करना स्मार्ट माना जाने लगा है। वहीं कुछ बर्तन ऐसे भी होते हैं, जिनका इस्तेमाल खास डिश बनाने के लिए किया जाता है। वहीं लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल भारतीय किचन में लंबे समय से किया जा रहा है।

लोहे की कड़ाही में तरह-तरह के स्वादिष्ट भोजन बनाने के लिए महिलाएं इसका इस्तेमाल करती हैं। लोहे की कड़ाही में बना खाना सेहत के लिए सही होता है और यह महिलाएं के शरीर से आयरन की कमी को भी दूर करता है। लेकिन लोहे के बर्तन का इस्तेमाल ध्यान से करना चाहिए। अगर आप पहली बार लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करने जा रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। हं आपको बताने जा रहे हैं कि लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करने के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

क्यों होता है लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल

बता दें कि आयरन की कमी होने से कई तरह की बीमारियों का खतरा होता है। ऐसे में लोहे की कड़ाही या बर्तन में बना खाना खाने से शरीर में आयरन की कमी पूरी होती है और यह सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है।

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक एक वयस्क महिला को रोजाना 18 mg आयरन चाहिए होता है। जिसके लिए आप लोहे की कड़ाही में खाना बनाकर खा सकती हैं। हालांकि लोहे की कड़ाही में खाना काफी ध्यान से बनाना होगा।

नई कड़ाही में ऐसे बनाएं खाना

अगर आप नई लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करने जा रहे हैं, तो इसको धोना ही काफी नहीं होगा। क्योंकि जब नई लोहे की कड़ाही में खाना बनाया जाएगा, तो इसका कलर उतरता है। इससे खाना बेकार बनेगा और काला हो जाएगा। इससे बचने के लिए आपको कड़ाही की कोटिंग करनी होगी।

सेहत के लिए खतरनाक होता है Brown Bread, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का होता है खतरा

कई कंपनियां ब्राउन ब्रेड को हेल्दी बताती हैं और यह दावा करती हैं कि ब्राउन ब्रेड सेहत के लिए अच्छी होती है। लेकिन जिस ब्राउन ब्रेड को आप हेल्दी समझकर खा रहे हैं, असल में वह सफेद ब्रेड से भी ज्यादा खतरनाक होती है।

आजकल खाने पीने की चीजों में तमाम तरह की मिलावट हो रही है। यह मिलावट हमारी सेहत के लिए घातक हो सकती है और इसके सेवन से जान भी जा सकती है। बता दें कि भारत की लगभग सभी खाने-पीने की चीजों में खतरनाक केमिकल्स की मिलावट होती है या फिर उनको नकली तरीके से बनाकर तैयार किया जाता है। वहीं व्यापारी भी अधिक मुनाफे के चक्कर धड़ल्ले से नकली और मिलावट वाली चीजों को बना रहे हैं। ऐसे में खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता पर निगरानी करने वाली FSSAI के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

बता दें कि आप तक पहुंचने वाली हर खाने-पीने की चीजों में मिलावट हो रही है। वहीं बहुत सारे लोग सुबह नाश्ते में ब्रेड खाते हैं, जिसको काफी पहले से ही सेहत के लिए खराब माना जाता है। क्योंकि ब्रेड मैदा से बनी होती है। वहीं कई कंपनियां ब्राउन ब्रेड को हेल्दी बताती हैं और यह दावा करती नजर आती हैं कि ब्राउन ब्रेड सेहत के लिए अच्छी होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि जिस ब्राउन ब्रेड को आप हेल्दी समझकर खा रहे हैं, असल में वह सफेद ब्रेड से भी ज्यादा खतरनाक होती है।

सेहत के लिए खतरनाक है ब्राउन ब्रेड

डायटीशियन की मानें, तो ब्राउन ब्रेड हेल्दी नहीं बल्कि यह सफेद ब्रेड से ज्यादा खतरनाक और अनहेल्दी होता है।

ज्यादा होती है शुगर की मात्रा

सफेद ब्रेड की तुलना में ब्राउन ब्रेड में शुगर की मात्रा ज्यादा हो सकती है। सामान्य ब्राउन ब्रेड की एक स्लाइस में 3 ग्राम चीनी और सफेद ब्रेड के एक स्लाइल में सिर्फ 1.64 ग्राम शुगर होती है।

अधिक मात्रा में कैलोरी

यदि आप वेट लॉस कर रहे हैं और आपके ट्रेनर आपको ब्राउन ब्रेड खाने की सलाह देते हैं, या अन्य लोग ब्राउन ब्रेड को हेल्दी मानते हैं। तो शायद वह इस बात तो नहीं जानते हैं कि ब्राउन ब्रेड सबसे अधिक अनहेल्दी होता है और इसमें कैलोरी की मात्रा भी अधिक हो सकती है। एक ब्राउन ब्रेन में करीब 110 कैलोरी हो सकती है, जबकि सफेद ब्रेड 77 कैलोरी होती है।

हेल्दी नहीं होता है ब्राउन ब्रेड

बता दें कि गेहूं के मैदा और साबुत अनाज के मैदा से ब्राउन ब्रेड बनाकर तैयार किया जाता है, जो आपकी सेहत के लिए हेल्दी नहीं होता है। साथ ही इसमें रंग देने के लिए कैरमेल जैसे तत्व मिलाए जाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह एक ऐसा तत्व है जिससे ब्लड प्रेशर कम होना, वाइड ब्लड सेल्स काउंट कम होना और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां होने का खतरा होता है।

ब्रेड की जगह खाएं रोटी

अगर आप भी अपनी सेहत के प्रति गंभीर हैं, तो आपको सफेद और ब्राउन ब्रेड की जगह घर की बनी गेंहू या रागी की रोटी का सेवन करना चाहिए। क्योंकि यह आपको हर तरह से फायदा पहुंचाती है।

'अरविंद केजरीवाल आधुनिक स्वतंत्रता सेनानी', ध्वजारोहण के बाद बोले कैलाश गहलोत

सुषमा रानी

दिल्ली के मुख्यमंत्री और AAP मुखिया के गैर मौजूदगी में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने छत्रसाल स्टेडियम में झंडा फहराया। इस दौरान गहलोत ने दिल्लीवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि व्यथित हूं आजादी के 77 वर्षों बाद भी आज चुने हुए सीएम जेल में हैं। बता दें इससे पहले केजरीवाल ने आतिशी को झंडा फहराने के लिए एलजी को पत्र लिखा था जिसे स्वीकृति नहीं मिली।

नई दिल्ली। 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत (Kailash Gehlot) ने छत्रसाल स्टेडियम में झंडा फहराया। जिसके बाद उन्होंने स्वतंत्रता दिवस समारोह में दिल्ली वालों को संबोधित करते हुए कहा कि व्यथित हूं, आजादी के 78 वर्षों बाद भी आज चुने हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। उन्होंने केजरीवाल को आधुनिक स्वतंत्रता सेनानी बताया।

लोकतंत्र विरोधी ताकतों ने CM को रोकने की साजिश की-गहलोत

कैलाश गहलोत ने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल (Arvind Kejriwal) ने बीमारी, बेरोजगारी, गरीबी, अशिक्षा दूर करने के लिए काम किया, इसीलिए लोकतांत्रिक विरोधी ताकतों ने मुख्यमंत्री को रोकने की साजिश की।

परिवहन मंत्री ने आगे कहा कि देश को बेरोजगारी, अशिक्षिता और भ्रष्टाचार से मिले मुक्ति इसलिये मिली थी आजादी ना की चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल भेज दें।

दिल्ली में झंडा फहराने को लेकर एलजी-AAP में थी रार

यह सभी देशवासियों के लिए चिंता और चिंतन की बात है कि एक दिन चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन सबके बावजूद भारतीय लोकतंत्र इतना मजबूत है कि उसे कोई ताकत कमजोर नहीं कर सकती है। इसका उदाहरण मनीष सिसोदिया (Manish Sisodia) की रिहाई के रूप में सबने देखा है।

बता दें इससे पहले कि केजरीवाल की अनुपस्थिति में झंडा कौन फहराएगा। इस बात को लेकर राजनीति जोरों पर थी। शराब घोटाले में जेल में बंद दिल्ली सीएम ने एलजी को पत्र लिखकर आतिशी को झंडा फहराने की मंजूरी देने को कहा थी, जिसे उपराज्यपाल ने ठुकरा दिया। बाद में कैलाश गहलोत के नाम पर मुहर लगी।

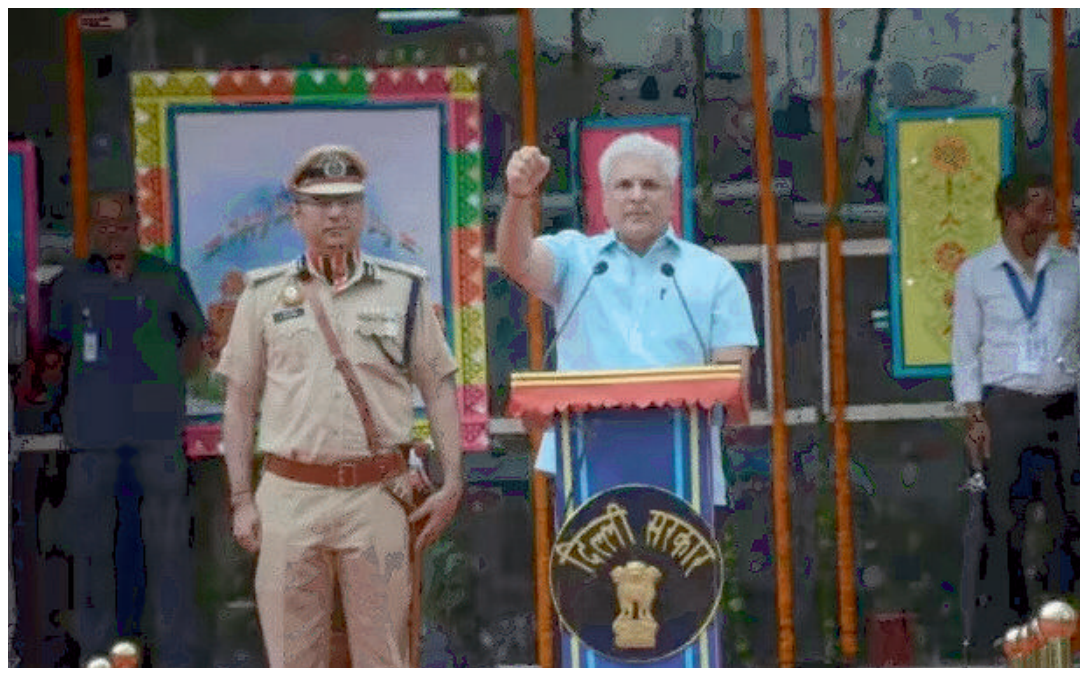

सीएम आवास पर तिरंगा नहीं फहराया गया', सुनीता केजरीवाल ने किया पोस्ट

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी ने एक्स पर लिखा सीएम आवास पर झंडा नहीं फहराया गया। आतिशी ने भी केंद्र सरकार पर हमला बोला। इससे पहले झंडा फहराने को लेकर दिल्ली में सियासत जोरों पर थी। केजरीवाल ने आतिशी को झंडा फहराने के लिए एलजी को पत्र लिखा। जिसे स्वीकृति नहीं मिली। उपराज्यपाल ने कैलाश गहलोत को झंडा फहराने की मंजूरी दी थी।

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी (Atishi) के एक्स' पर लिखे पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि आज CM आवास पर तिरंगा नहीं फहराया गया। बहुत अफसोस रहा। यह तानाशाही एक चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में रख सकती है, लेकिन दिल में देशप्रेम को कैसे रोक पाएगी।

1947 में भारत को अंग्रेजों की तानाशाही से आजादी मिली-आतिशी

इससे पहले आतिशी ने अपने पोस्ट में लिखा कि आज स्वतंत्रता दिवस है, जब 1947 में भारत को अंग्रेजों की तानाशाही से आज़ादी मिली। सैंकड़ों स्वतंत्रता सैनानियों ने लाठियाँ खायीं, जेल गये और अपनी जान की कुर्बानी दी - हमें यह आजादी दिलवाने के लिए। आज CM आवास पर तिरंगा नहीं फहराया गया। बहुत अफ़सोस रहा। यह तानाशाही एक चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में रख सकती है, लेकिन दिल में देशप्रेम को कैसे रोक पाएगी'

आखिरी साँस तक तानाशाही के खिलाफ लड़ेंगे-AAP मंत्री

उनके सपनों में भी ऐसा विचार नहीं आया होगा कि एक दिन, आजाद भारत में, एक चुने हुए मुख्यमंत्री को झूठे मुकद्दमे में फँसा कर महीनों तक जेल में रखा जाएगा। आइये इस स्वतंत्रता दिवस पर हम ये प्रण लेते हैं कि आखिरी साँस तक तानाशाही के खिलाफ लड़ते रहेंगे। बता दें कि स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर दिल्ली में एलजी वीके सक्सेना ने दिल्ली के गृहमंत्री कैलाश गहलोत (Kailash Gehlot) के नाम पर झंडा फहराने की मंजूरी दी थी। इससे पहले आतिशी का नाम सामने आ रहा था कि वो झंडा फहराएंगी।

स्वतंत्रता दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम,फहराया तिरंगा

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

रोहिणी विजय विहार रेजिडेंट वैलफेयर एसोसिएशन एवं वैष्णों माता मंदिर के तत्वावधान में 78 वें स्वतंत्रता दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। झंडा रोहण, वार्ड-24 की निगम पार्षद षुष्पा सुरेंद्र सौलंकी द्वारा किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों में प्रेसीडेंट दयानन्द भारद्वाज, जनरल सेकेट्री सूरज दत्त सेठी, मंदिर के महंत मुरारी लाल भारद्वाज, आरडब्ल्यूए युवा सेना अध्यक्ष चक्रेश मित्तल,राजेश सांवरिया, सोनू भगत,मोहित, आलोक एवं महिला विंग से जुडी महिलाओ ने देश भक्ति के तरानों कविताओं से समां बांध दिया। इनमें मालती भारद्वाज,रेनू मित्तल, सरोज शर्मा, सुनीता भारद्वाज, मनोरमा शर्मा, मंजू कपूर सेठी,राज गोयल, समेत अन्य महिलाए भी शामिल थी। एमसीडी के महादेव पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में महासचिव सूरज दत्त सेठी ने निगम पार्षद पुष्पा सुरेंद्र सौलंकी से पार्क में लगाई घास के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही पेंडिंग कामों का जिक्र करते हुए बताया कि पार्क में बाल झूले जो रिनोवेशन के वक्त हटाए गए थे। अभी तक नए झूले नहीं लगाए गए है। वहीं पार्क की टूटी चारदिवारी को भी बनाने/रिपेयर करने की अपील की गई।दरअसल चारदिवारी टूटी होने से आपराधिक तत्व रात को वारदात कर यहां से फरार हो जाते हैं। श्री सेठी ने पार्क के मेन गेट को भी बनाने संबंधी याद दिलाया। पार्क के छूटे पेंडिंग कामों पर पार्षद पुष्पा सुरेंद्र सौलंकी ने बाल झूले लगाने,समेत टूटी चारदिवारी व मेन गेट को बरसात के बाद तुरंत बनवाने का आश्वासन दिया।

स्वतंत्रता दिवस के 78वें अवसर पर युवाओं के नाम एक खुला पत्र : डॉ. अंकुर शरण

प्रिय युवा साथियों,

स्वतंत्रता दिवस के 78वें अवसर पर मुझे जिला प्रशासन फरीदाबाद द्वारा सामाजिक कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, स्थिरता, और सड़क सुरक्षा में मेरे योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस सम्मान को प्राप्त करके मैं गर्वित महसूस कर रहा हूँ। लेकिन इस पत्र के माध्यम से मैं आपसे एक महत्वपूर्ण बात साझा करना चाहता हूँ।

हमारे जीवन में हम जो भी कार्य करते हैं, उसका पहला लाभ हमें स्वयं को ही मिलता है। शिक्षा हो, करियर हो, या कोई अन्य कार्य—हम सब कुछ अपने व्यक्तिगत विकास और भविष्य को संवारने के लिए करते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन इस जीवन में, हमें यह भी समझना होगा कि हमारे समाज के प्रति भी हमारी कुछ जिम्मेदारियाँ हैं।

मुझे यह सम्मान प्रतिष्ठित अतिथियों के हाथों प्राप्त हुआ, जिनमें मुख्य अतिथि डॉ. अभय सिंह यादव, माननीय सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री, हरियाणा सरकार; डिप्टी कमिश्नर श्री विक्रम सिंह, आईएएस; सिटी मजिस्ट्रेट श्री अंकित सिंह, एचसीएस; और मेरे प्रिय एवं गतिशील पुलिस अधिकारी श्री राकेश कुमार आर्य, आईपीएस, जो फरीदाबाद पुलिस विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं, शामिल थे।

आप जो भी करते हैं, उसमें अपने समाज की भलाई के लिए भी कुछ करने का प्रयास करें। समाज कल्याण के कार्य आपको सिर्फ दूसरों के लिए ही नहीं, बल्कि आपके अपने जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। जब आप निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में जुटते हैं, तो आपको जो संतोष मिलता है, वह किसी भी व्यक्तिगत उपलब्धि से कहीं अधिक होता है।

समाज के प्रति आपका योगदान चाहे छोटा हो या बड़ा, उसका प्रभाव गहरा होता है। जब आप किसी जरूरतमंद की मदद करते हैं, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देते हैं, या सड़क सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जागरूकता फैलाते हैं, तो आप न केवल अपने समाज को बेहतर बना रहे होते हैं, बल्कि आप अपने जीवन को भी एक उद्देश्य दे रहे होते हैं।

लेकिन याद रखें, समाज कल्याण के कार्यों में धैर्य और समर्पण की आवश्यकता होती है। परिणाम तुरंत नहीं मिल सकते, लेकिन अगर आप अपने काम में ईमानदारी और फोकस बनाए रखते हैं, तो निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी।

युवाओं, हमारे देश का भविष्य आप पर निर्भर है। आइए, हम सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं जो समृद्ध, सुरक्षित, और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हो। आपके छोटे-छोटे प्रयास इस दिशा में बड़ा बदलाव

पार्टी अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल के साथ बैठक के दौरान सरदार परमजीत सिंह सरना द्वारा पंथक मुद्दों पर चर्चा की गई

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह सरना ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल से दिल्ली में मुलाकात कर विभिन्न पंथक मुद्दों पर चर्चा की।

इस बैठक में सिख समुदाय के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बंदी सिंहों की रिहाई के संबंध में केंद्र सरकार के अड़ियल रवैये को लेकर ठोस कार्यक्रम तैयार करने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा, सरना ने पार्टी अध्यक्ष के साथ पंजाब और दिल्ली की पंथक राजनीति की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की।

पार्टी अध्यक्ष के साथ शिरोमणि अकाली दल की बढ़ती ताकत और भविष्य की नीति पर बातचीत करते हुए, दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सरना ने सुखबीर सिंह बादल को विश्वास दिलाया कि दिल्ली की संगत शिरोमणि अकाली दल के साथ चट्टान की तरह खड़ी है।

इस मौके पर शिरोमणि अकाली दल की दिल्ली इकाई के प्रधान माह सचिव सरदार जतिंदर सिंह साहनी और महा सचिव सरदार मनजीत सिंह सरना भी उपस्थित थे।

यह तानाशाही एक चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में रख सकती है, पर दिल में देशप्रेम को कैसे रोक पाएगी?- सुनीता केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर तिरंगा झंडा नहीं फहराया जा सका। दिल्ली व देश के इतिहास में संभवतः यह पहला मौका है, जब एक चुने हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अलोकतांत्रिक तरीके से बिना किसी अपराध और सबूत के केंद्र की तानाशाह सरकार ने एक झूठे केस में जेल की सलाखों के पीछे रखा है और वो स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर अपने आवास पर तिरंगा नहीं फहरा सके। मुख्यमंत्री आवास पर तिरंगा नहीं फहराए जाने पर आम आदमी पार्टी ने गहरा अफसोस जताया है। सीएम अरविंद केजरीवाल की धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल ने इस पर निराशा प्रकट करते हुए एक ट्वीट किया और उन्होंने लिखा कि आज सीएम आवास पर तिरंगा नहीं फहराया गया,

इसका बहुत अफ़सोस रहा। यह तानाशाही एक चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में रख सकती है, लेकिन दिल में देशप्रेम को कैसे रोक पाएगी?

उधर, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी इसे लेकर देश की तानाशाह सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि ''अंग्रेजों से आज़ादी'' की वर्षगांठ पर सलाम उस जज्बे को, जो "आज़ादी को तानाशाही से बचाए रखने के लिए" आज तानाशाह की जेल में बंद है। जबकि वरिष्ठ नेता एवं शिक्षा मंत्री आतिशी ने ट्वीट कर कहा कि आज स्वतंत्रता दिवस है। जब 1947 में भारत को अंग्रेजों की तानाशाही से आज़ादी मिली। हमें यह आज़ादी दिलवाने के लिए सैंकड़ों स्वतंत्रता सेनानियों ने लाठियां खाई, जेल गए और अपनी जान की क़ुर्बानी दी। उनके सपनों में भी ऐसा विचार नहीं आया होगा कि एक दिन, आज़ाद भारत में एक चुने हुए मुख्यमंत्री को झूठे मुक़द्दमे में फंसा कर महीनों तक जेल में रखा जाएगा। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम यह प्रण लेते हैं कि आखिरी सांस तक तानाशाही के खिलाफ लड़ते रहेंगे।

वहीं, पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह बहुत दुखद है। एक लंबी लड़ाई के बाद यह देश आजाद हुआ, लेकिन आजादी के बाद भारत में पहली बार ऐसा हो रहा है कि प्रचंड बहुमत से चुना हुआ एक मुख्यमंत्री आज केवल केंद्र सरकार की तानाशाही और जिद के कारण तिरंगा नहीं फहरा पाया और वो जेल के अंदर हैं। अरविंद केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी थी। सीएम अरविंद केजरीवाल किसी भी तरह जेल से बाहर न निकलें, इसके लिए भाजपा ने षड़यंत्र के तहत सीबीआई का फंदा डाला। ये लोग चाहे जितना मर्जी परेशान कर लें, दिल्ली की चुनी हुई सरकार दिल्ली के लोगों के लिए काम कर रही थी, काम कर रही है और आगे भी काम करती रहेगी। दिल्ली सरकार की तरफ से गृह मंत्री कैलाश गहलोत ने झंडा फहराया है और सरकार का संदेश जनता के सामने रखा है।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल राजौरी गार्डन में आजादी के पर्व को बड़े धूमधाम से मनाया गया

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा राजौरी गार्डन के अधीन चलने वाले गुरु नानक पब्लिक स्कूल राजौरी गार्डन में आजादी दिवस मनाते हुए विशेष कार्यक्रम करवाया गया जिसमें स्कूली बच्चों ने देश भक्ति के गीत गाए। कार्यक्रम की शुरुआत देह शिवा भर मोहे है, शब्द गायन करके की गई। सः हरमनजीत सिंह, बलदीप सिंह राजा आदि ने मिलकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भी फहराया। उसके पश्चात भांगड़ा, गिधा और अन्य देश प्रेम से जुड़े गानों पर बच्चों ने ऐसी परफारमेंस दी जिसने सभी का मन मोह लिया। लायंस क्लब के द्वारा बच्चों के लिए स्मृति चिन्ह और सर्टीफिकेट बनवाए गये थे जिसे स्कूल के संरक्षक हरमनजीत सिंह, चेयरमैन बलदीप सिंह राजा, मैनेजर जगजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य शख्सीयतों ने बच्चों को भेंट किया। इस मौके पर हरबंस सिंह भाटिया, प्रीत प्रताप सिंह, सुन्दर सिंह नारंग, डा परमिन्दरपाल सिंह भी मौजूद रहे।

डॉ.राजीव मिश्रा रा.उपाध्यक्ष जयहिंद नेशनल पार्टी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ दिल्ली में एक जागरूकता रैली का किया आयोजन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। डॉ.राजीव मिश्रा पूर्व सांसद (प्र.) ने सभी महिलाओं को 16 अगस्त 2024 दिन शुक्रवार को सुबह 11:00 बजे मंडी हाऊस, दिल्ली में एकत्र होने के लिये आव्हान किया। नारी शक्ति रैली मंडी हाऊस से शुरू होकर जंतर-मंतर तक निकाली जायेगी।

#जयहिंद_नेशनल_पार्टी की ओर से ऋतु झालानी, प्रत्याशी चांदनी चौक विधानसभा को सभी वर्ग की महिलाओं को जागरूक करने एवं एकत्र करने की जिम्मेदारी दी गई है।

आज दिल्ली में इस सामाजिक जागरूकता अभियान में कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय बंधुओं ने साथ एवं सहयोग दिया।

आप सभी का धन्यवाद

बनवारी लाल को राष्ट्रपति मुर्मू से मिलेगा गैलेंट्री अवार्ड, आग में फंसे लोगों की बचाई थी जान

परिवहन विशेष न्यूज

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के लिए कुल 103 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी। इसी कड़ी में गाजियाबाद में हुई आग की घटना जिसमें बनवारी लाल ने अपनी जान की परवाह किए बिना दो लोगों की जान बचाई थी। उस समय वह सिविल डिफेंस में असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर के पद पर तैनात थे।

गाजियाबाद। कैला खेड़ा में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करने के दौरान सिलेंडर में ब्लास्ट होने पर दुकान में फंसे लोगों को बाहर निकालने वाले बनवारी लाल को गैलेंट्री अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके नाम गैलेंट्री मेडल के लिए स्वीकृत किया है।

बनवारी लाल बुलंदशहर के नवादा गांव के निवासी

बनवारी लाल बुलंदशहर के नवादा गांव में रहते हैं। उन्होंने बताया कि एक साल पहले कैला खेड़ा में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करने वाली एक दुकान में सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। उस वक्त वह गाजियाबाद में सिविल डिफेंस में असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर के पद पर कार्यरत थे।

दुकान में फंसे दो लोगों को आग से जान बचाई

सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचे और दुकान में फंसे दो लोगों को आग की लपटों के बीच से अपनी जान की परवाह न करते हुए बाहर निकाला। आसपास के लोगों को भी मौके से हटाया, जिससे कि जनहानि को होने से बचाया जा सका। उन्होंने बताया कि गैलेंट्री मेडल मिलने के लिए

कस्तूरबा गांधी विद्यालयों का हाल, खराब 'माहौल' से खतरे में छात्राओं का भविष्य; कोई नहीं सुनता आपबीती

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में चल रहे खराब माहौल से सुविधाओं और छात्राओं की उपस्थिति पर असर पड़ रहा है। वर्तमान में जनपद के तीनों कस्तूरबा विद्यालय में 70 से 75 प्रतिशत ही उपस्थिति दर्ज हो रही है। बताया गया कि दादरी दनकौर और जेवर के कस्तूरबा विद्यालय में 250 सीटें हैं। पढ़िए आखिर तीनों विद्यालयों का कैसा हाल है?

ग्रेटर नोएडा। प्रदेश सरकार कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में कक्षा छह से लेकर आठवीं तक की छात्राओं के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया करा रही हैं, जिससे उनका शैक्षणिक से लेकर मानसिक विकास हो सके, लेकिन जनपद के कस्तूरबा विद्यालय में गुटबाजी के चलते माहौल खराब होता चला जा रहा है। जिसका सीधा असर छात्राओं की पढ़ाई पर पढ़ रहा है।

आवासीय विद्यालय होने के बाद भी तीनों कस्तूरबा गांधी विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने में विभाग के पसीने छूट रहे हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने उपस्थिति कम होने पर हाल ही में चिंता जाहिर की थी। कस्तूरबा में दो से तीन बार उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज की जाती है।

डीसी बालिका विनय कुमार सिंह ने बताया कि दनकौर कस्तूरबा में 80 प्रतिशत, दादरी में 75 प्रतिशत और जेवर में करीब 70 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज हो रही है।

विद्यालय में गुटबाजी पड़ रही भारी

तीनों कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में गुटबाजी का शिकार छात्राओं को होना पड़ रहा है। विद्यालय का माहौल खराब होने के कारण छात्राएं जल्दी-जल्दी अपने घर चली जाती हैं। एक अभिभावक ने बताया कि सुविधाएं भले ही बच्चियों को मिल रही हैं, लेकिन आए दिन विद्यालय में शिक्षकों के बीच लड़ाई झगड़े होते रहते हैं। जिससे छात्राओं पर गलत असर पड़ रहा है।

निरीक्षण नहीं होने से खराब हो रही स्थिति

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में लगातार निरीक्षण नहीं होने के कारण स्थिति खराब हो रही है। यदि समय पर विद्यालय का निरीक्षण हो तो छात्राएं अपनी आपबीती भी उन्हें बता सकती हैं, जिससे समय रहते हो स्थितियों को संभाल जा सके।

यह मिल रही सुविधाएं

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं को हाईटेक क्लासरूम में पढ़ाई करने का मौका मिल रहा। पुस्तकालय, कौशल प्रयोगशाला, खेल का मैदान, कंप्यूटर प्रयोगशाला, विज्ञान प्रयोगशाला आदि सभी सुविधाएं विकसित की गई है।

छात्राओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मियों की भी तैनाती रहती है। नई शिक्षा नीति के तहत इन स्कूलों में प्रैक्टिकल, समग्र, एकीकृत, वास्तविक जीवन की स्थितियों पर आधारित पढ़ाई कराई जाती है। पूरा परिसर सीसीटीवी कैमरे से लैस रहता है।

रफ्तार का कहर: ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर ट्रक और कार की जोरदार भिड़ंत, दो की मौत; नौ घायल

थाना दादरी क्षेत्र के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा हुआ। जिसमें एक कार खड़े ट्रक से टकरा जाती है। ये टक्कर इतनी भीषण होती है कि गाड़ी के परखच्चे उड़ जाते हैं। इस घटना में अभी तक दो लोगों की मौत हो गई। जबकि नौ अभी घायल हैं। पुलिस ने मौके से ट्रक को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

परिवहन विशेष न्यूज

थाना दादरी क्षेत्र के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा हुआ। जिसमें एक कार खड़े ट्रक से टकरा जाती है। ये टक्कर इतनी भीषण होती है कि गाड़ी के परखच्चे उड़ जाते हैं। इस घटना में अभी तक दो लोगों की मौत हो गई। जबकि नौ अभी घायल हैं। पुलिस ने मौके से ट्रक को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

नोएडा। कोतवाली दादरी क्षेत्र के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर ईको कार की खडे ट्रक में टक्कर होने से ईको सवार दो की मौत नो लोग घायल मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा घायलो को अस्पताल मे भर्ती कराया ट्रक चालक मौके से फरार हुआ।

पुलिस के अनुसार असलम पुत्र निसारुद्दीन निवासी ग्राम भसुन्दरा थाना उसहैत जिला बदायू ने बताया कि उसका भाई अकरम पानीपत से वागेश पुत्र होरीलाल निवासी खेडा जलालपुर थाना उसहैत जिला बदायू की गाडी इको से अपने गाँव जा रहा था। जिसके साथ गाडी में अन्य सवारियाँ भी बैठी थी। गुरुवार सुबह ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर ट्रक का चालक ट्रक में लोहे की चादर व अन्य सामान लादकर लापरवाही से चलाकर ले जा रहा था।

ट्रक चालक की लापरवाही से हुआ बड़ा हादसा

जिसकी वजह से ट्रक में से कुछ लोहे की चादर हाईवे पर गिर गई तो ट्रक चालक ने लापरवाही से ट्रक को बीच सड़क पर अचानक रोक दिया। जिसकी वजह से गाड़ी इको, ट्रक में टकरा गई। गाडी के ट्रक में टकराने से उसके भाई अकरम पुत्र निसारुद्दीन निवासी ग्राम भसुन्दरा थाना उसहैत जिला बदायूं उम्र करीब 24 वर्ष तथा एक अन्य अज्ञात व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

गाड़ी के चालक वागेश उपरोक्त व अन्य सवारियां

विवेक पुत्र रामशंकर उम्र करीब 22 वर्ष निवासी (मालूम नहीं)।

रजनेश पुत्र संजय उम्र 24 वर्ष निवासी सैजनी बदायूं।

सादिक पुत्र इकबाल निवासी बांगरपुर बदायूं उम्र 23 वर्ष।

नेत्रपाल पुत्र बेधराज निवासी अजैतपुर बदायूं 60 वर्ष।

अहवरन पुत्र मनोहर निवासी भकोडा बदायूं उम 24 वर्ष।

देवराज पुत्र राकेश निवासी मंडी बदायूं उम्र 18 वर्ष।

अरविन्द पुत्र आराम सिंह निवासी सैजनी बदायूं उम्र 32 वर्ष। राजेश्वरी पत्नी नेत्रपाल सिंह निवासी अजैतपुर बदायूं उम्र 55 वर्ष।

गजराज पुत्र किशन लाल निवासी जरहैटा थाना जरीफ नगर जिला बदायू उम्र करीब 24 वर्ष गम्भीर रूप से घायल हो गये हैं। यह घटना वील अकवरपुर टोल से करीब 2 कि.मी. पहले डासना की ओर पेरीफेरल हाईवे की हैं। चालक की लापरवाही की वजह से हुयी है। पीड़ित ने अज्ञात मे ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे मे लेकर रिपोर्ट दर्ज कर चालक की तलाश में लगी है।

गाजियाबाद में कुत्तों की होगी नसबंदी, नगर निगम उपलब्ध कराएगा एंबुलेंस

गाजियाबाद में कुत्तों का आतंक कम नहीं हो रहा है। आए दिन लोगों पर आवारा कुत्तों के हमले की घटनाएं बढ़ गई हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इनका शिकार हो रहे हैं और लहूलुहान हो जा रहे हैं। अब इनकी आबादी को रोकने के लिए नगर निगम नसबंदी कराएगा। नगर निगम के पांचों जोन में एंबुलेंस उपलब्ध रहेगी। एंबुलेंस खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गाजियाबाद। कुत्तों के उपचार व नसबंदी के लिए जल्द ही नगर निगम के पांचों जोन में एंबुलेंस उपलब्ध रहेगी। नगर निगम ने एंबुलेंस खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द ही एंबुलेंस आ जाएंगी, जिससे कुत्तों के घायल होने पर उपचार व नसबंदी करने में मदद मिलेगी।

अभी सिर्फ नंदग्राम में कुत्तों की नसबंदी का केंद्र संचालित हो रहा है। नगर निगम ऐसे दो और केंद्र खोलने की तैयारी कर रहा है। इसकी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जल्द ही काम शुरू हो जाएगा।

सबसे ज्यादा घटनाएं आती हैं सामने

दरअसल, शहर में कुत्तों के हमले करने की घटनाएं लगातार सामने आती रहती हैं। हाईराइज सोसाइटी में सबसे ज्यादा घटनाएं सामने आती हैं। कुत्तों के काटने के बाद काफी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में रोजाना एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने पहुंचते हैं। स्थानीय लोग कुत्तों की नसबंदी की मांग लगातार कर रहे हैं।

कुत्तों पकड़ने में होती है दिक्कत

मगर कुत्तों को पकड़ने के लिए पूरे नगर निगम क्षेत्र में मात्र एक एंबुलेंस होने के कारण ज्यादा कुत्ते पकड़ने में दिक्कत आती है। इसी समस्या से पार पाने के लिए हर जोन के लिए एक-एक एंबुलेंस खरीदने का निर्णय लिया गया है। निगम के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉक्टर अनुज सिंह ने बताया कि एंबुलेंस खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अखंड भारत ही बनेगा विश्व गुरु

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया।

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोडने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस काल खंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं।

भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है।

विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरू के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है।

भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन

भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारत कालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान के साथ अलग हुए बांगलादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने आ चुकी है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बांगलादेश में भुखमरी के हालात हैं। अफगानिस्तान खौफ के वातावरण में जी रहा है। सवाल यह उठता है कि इन देशों को भारत से अलग होने के बाद क्या मिला? कुछ नहीं।

वर्तमान में भारत में राष्ट्रीय एकता का भाव भी है तो भारत की संस्कृति का प्रवाह भी। भारतीय संस्कृति सबको जोडने का प्रयास करती है, जबकि अन्य संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव नहीं है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व को एक ऐसी दिशा का बोध कराया जा सकता है, जहां शांति भी है और प्रगति के रास्ते भी हैं। अब इस दिशा में और अधिक तेजी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए अब समय अनुकूल है। इसलिए सभी भारतीय नागरिक इस दिशा में आगे आकर उस प्रवाह में शामिल होने का प्रयास करें, जो भारत को अखंड बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अखंड भारत की संकल्पना जहां भारत को ठोस आधार प्रदान करने में सहायक होगा, वहीं यही आधार भारत को पुनः विश्व गुरू के सिंहासन पर आसीन करेगा, यह तय है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

ईवी से खुलेंगे ग्रीन जॉब्स के दरवाजे, पीएम मोदी ने लाल किले से ऑटो इंडस्ट्री के लिए कही बड़ी बात

परिवहन विशेष न्यूज

प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से ऑटो इंडस्ट्री से जुड़ी कई बातें भी देश के सामने रखीं। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर ऑटो सेक्टर में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में भी जानकारी दी।

पीएम मोदी ने कहा कि 'देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ रही है। अगर लोग पीएम सूर्य घर योजना के तहत सूरज से बिजली का उत्पादन करें तो लोग वाहन यात्रा का खर्च और भी कम कर सकते हैं।' अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने साफ संदेश दिया कि सूरज से बिजली उत्पादन के जरिए इलेक्ट्रिक कारों को चार्ज करके चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया जा सकता है और लोगों का खर्च भी कम किया जा सकता है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि 'हम ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के साथ ग्लोबल हब बनना चाहते हैं। इसके लिए बहुत तेज़ी से नीतियां बनाई गई हैं और उन नीतियों को उसी तेज़ी से लागू भी किया गया है। इसके साथ ही हम एक नई ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।'

प्रधानमंत्री ने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन से देश को मिलने वाले लाभों के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'हम जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग को लेकर चिंतित हैं, लेकिन इसमें ग्रीन जॉब्स की बहुत बड़ी संभावना है। आने वाले समय में अगर ग्रीन जॉब्स का महत्व बढ़ता है, तो इसके लिए हम अपने युवाओं को इस क्षेत्र में अवसर पाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।'

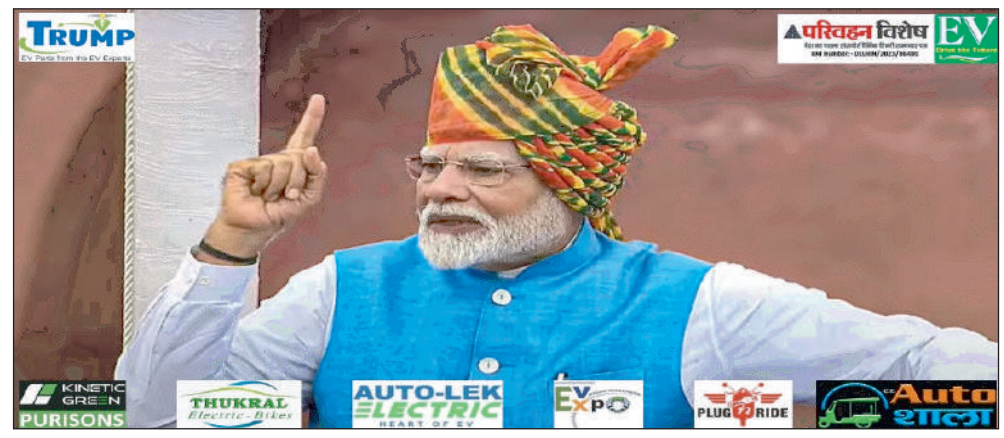

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने ईवी का किया समर्थन, कहा, यूपी की तरह अन्य राज्य सरकारों को भी करना चाहिए इसका समर्थन

परिवहन विशेष न्यूज

भारत की मशहूर ऑटोमोबाइल कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इलेक्ट्रिक वाहनों की तारीफ की है और इसे राष्ट्रहित में बताया है। कंपनी के सीईओ ने कहा कि सरकार को इलेक्ट्रिक वाहनों का समर्थन करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों की भी सराहना की।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने गुरुवार, 15 अगस्त को इलेक्ट्रिक परिवहन का पुरजोर समर्थन करते हुए इसे देश के लिए ईवी की दिशा में उठाया गया सही कदम बताया। मुंबई स्थित प्रमुख वाहन कंपनी ने कहा कि इलेक्ट्रिक परिवहन का समर्थन करना देश के सर्वोत्तम हित में है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के कार्यकारी निदेशक और सीईओ राजेश जेजुरिकर ने संवाददाताओं से कहा, स्देश के लिए सही दिशा ईवी पर केंद्रित है और हमारा मानना है कि सरकार को इसका समर्थन करना चाहिए।"

वह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हाइब्रिड (ईंधन और इलेक्ट्रिक) वाहनों के लिए पंजीकरण छूट की घोषणा पर कंपनी के रुख पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में हाइब्रिड कारों की खरीद पर रोड टैक्स में पूरी छूट की घोषणा की है। इलेक्ट्रिक परिवहन में निवेश करने वाले विभिन्न वाहन निर्माताओं ने इस कदम का विरोध किया है, क्योंकि उन्हें डर है कि अन्य राज्य भी ऐसा कर सकते हैं।

राजेश जेजुरिकर ने कहा कि हम ऐसे चरण में हैं जहां हमें लगता है कि सही उत्पाद के साथ ईवी योजना बहुत मजबूत हो सकती है। यह राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में है और यह एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है और हम इस पर बहुत ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हाइब्रिड वाहन एक आंतरिक दहन इंजन और एक या अधिक इलेक्ट्रिक मोटर द्वारा संचालित होते हैं, जो बैटरी में संग्रहीत ऊर्जा का उपयोग करते हैं।

लंबे समय से हाइब्रिड वाहन बनाने वाली कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ कराधान के मामले में समानता की मांग कर रही हैं। वर्तमान में देश में हाइब्रिड वाहनों पर जीएसटी सहित कुल कर 43 प्रतिशत है, जबकि बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर करीब पांच प्रतिशत कर लगता है।

दक्षिण कोरिया ने इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की चिंताओं पर आपातकालीन वार्ता की

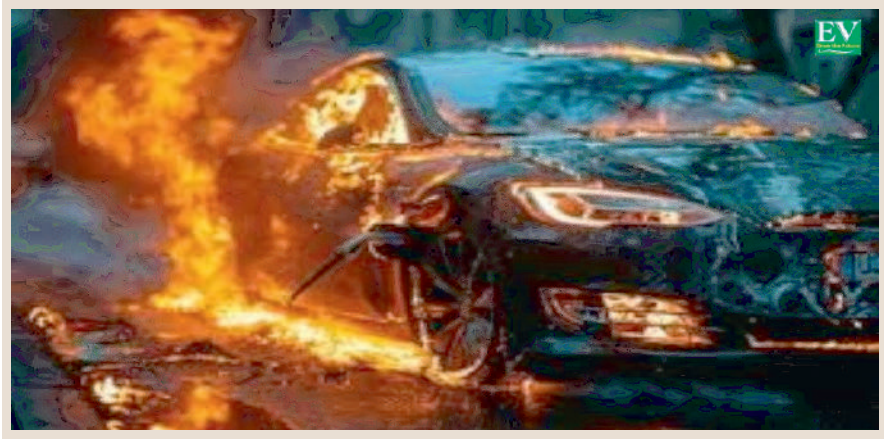

परिवहन विशेष न्यूज

दक्षिण कोरिया में अधिकारियों ने एक भूमिगत पार्किंग गैरेज में भीषण आग लगने के बाद इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा के बारे में बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए एक आपातकालीन बैठक बुलाई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 1 अगस्त को मर्सिडीज-बेंज ईवी में लगी आग ने लगभग 140 वाहनों को नष्ट कर दिया और एक आवासीय इमारत को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया। आग पर काबू पाने में आठ घंटे लग गए, जिससे दक्षिण कोरियाई उपभोक्ताओं के बीच ईवी सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ गईं। दक्षिण कोरिया के उप पर्यावरण मंत्री बहु-एजेंसी समीक्षा का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसके तहत नए नियम जल्द ही लागू होने की उम्मीद है। कथित तौर पर चर्चा के तहत एक प्रमुख प्रस्ताव यह है कि कार निर्माताओं के लिए अपने ईवी में इस्तेमाल की जाने वाली बैटरी के ब्रांड का खुलासा करना अनिवार्य कर दिया जाए। इस कदम का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और बैटरी सुरक्षा के बारे में बढ़ती चिंताओं को दूर करना है। परिवहन मंत्रालय आगामी वार्ता में हुंडई, मर्सिडीज-बेंज और वोक्सवैगन सहित प्रमुख वाहन निर्माताओं के साथ प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए तैयार है। दक्षिण कोरिया की चिंताएँ भारत सहित दुनिया भर में इसी तरह की समस्याओं से मेल खाती हैं।

दक्षिण कोरिया की तरह भारत का ध्यान इलेक्ट्रिक वाहनों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने पर होना चाहिए। ऑटोमेकर और नियामक इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम कर रहे हैं। ईवी असुरक्षित नहीं हैं, लेकिन एक नई तकनीक होने के नाते हमें सभी संभावित खामियों को खोजने और ठीक करने के लिए अधिक समय चाहिए।

वेब आधारित ई-मोबिलिटी डैशबोर्ड और ईवी एक्सेलरेटर सेल ऐप यूपी में करेगा काम, चार्जिंग स्टेशनों को किया जा सकेगा ट्रैक

परिवहन विशेष न्यूज

उत्तर प्रदेश को श्रेष्ठ प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध सीएम योगी के विजन के अनुरूप प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। अब इसी क्रम में प्रदेश में निवेश को ट्रैक करने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में काम कर रही इन्वेस्ट यूपी जल्द ही ईवी एक्सेलरेटर सेल के लिए वेब आधारित ई-मोबिलिटी डैशबोर्ड और मोबाइल ऐप विकसित करेगी।

यह कार्य उत्तर प्रदेश सिस्टम डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) को सौंपा गया है और यूपीडेस्को में पहले से सूचीबद्ध एजेंसियों को कार्य आवंटन मिलने के बाद डैशबोर्ड और ऐप डेवलपमेंट का काम सौंपा जाएगा। इस दिशा में एजेंसी निर्धारण और कार्य आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और कार्य आवंटन मिलने के बाद नामित एजेंसी को 90 दिनों के भीतर ये दोनों काम पूरे करने होंगे।

उल्लेखनीय है कि ईवी एक्सेलरेटर सेल का वेब आधारित ई-मोबिलिटी डैशबोर्ड और मोबाइल ऐप उन्नत डेटा विजिबिलिटी, बेहतर मॉनिटरिंग, प्रभावी प्रबंधन, पारदर्शिता और जन सहभागिता जैसी उन्नत सुविधाओं से लैस होगा। वहीं, परिवहन, नगरीय विकास, विद्युत निगम, आवास विभाग समेत यूपीडा से प्राप्त सूचनाओं को संकलित कर उसका डाटाबेस तैयार किया जाएगा।

परियोजना के तहत प्रस्तावित डैशबोर्ड राज्य में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विवरणों की निगरानी और प्रबंधन के लिए एक केंद्रीकृत मंच प्रदान करेगा। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) का उद्देश्य परिवहन के स्वच्छ, अधिक टिकाऊ साधनों को प्रोत्साहित करना है। राज्य में ई-मोबिलिटी के क्रियान्वयन और निगरानी के उद्देश्य को पूरा करने के लिए ईवी एक्सेलेरेटर सेल की स्थापना की जाएगी।

इन्वेस्ट यूपी ने राज्य में ईवी संचालन की निगरानी, प्रबंधन और योजना बनाने तथा बड़े पैमाने पर ईवी अपनाने को बढ़ावा देने और पूरे देश में एक उदाहरण स्थापित करने के लिए 'यूपी ई-मोबिलिटी डैशबोर्ड' विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। प्रस्तावित ई-मोबिलिटी डैशबोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की निगरानी, प्रबंधन और अपनाने को बढ़ावा देने के लिए एक मूल्यवान उपकरण होगा।

यह परियोजना स्वच्छ और अधिक टिकाऊ परिवहन भविष्य के लिए राज्य की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह ई-मोबिलिटी डैशबोर्ड संबंधित विभागों और इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों के लिए उत्तर प्रदेश में ईवी और चार्जिंग स्टेशनों की तैनाती और उपयोग को ट्रैक करने, प्रबंधित करने और मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा। इससे ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जीवाश्म ईंधन की बचत करने में मदद मिलेगी।

डैशबोर्ड और ऐप को इस तरह से विकसित किया जाएगा कि इसमें इंटरेक्टिव मैप, वाहन पंजीकरण प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स और रिपोर्टिंग, चार्जिंग स्टेशन का विवरण, ईवी खरीद प्रोत्साहन संवितरण, बैटरी स्वैपिंग स्टेशन की जानकारी, उपयोगकर्ता प्रबंधन और सार्वजनिक डैशबोर्ड जैसी सुविधाएँ शामिल होंगी। यह नीतिगत निर्णयों की जानकारी देने, संसाधन आवंटन को मजबूत करने, पारदर्शिता को बढ़ावा देने की प्रक्रिया को पूरा करने का एक साधन बनेगा और ई-मोबिलिटी क्षेत्र के सतत विकास का माध्यम बनेगा।

ओला इलेक्ट्रिक का घाटा बढ़कर 346 करोड़ रुपये हुआ

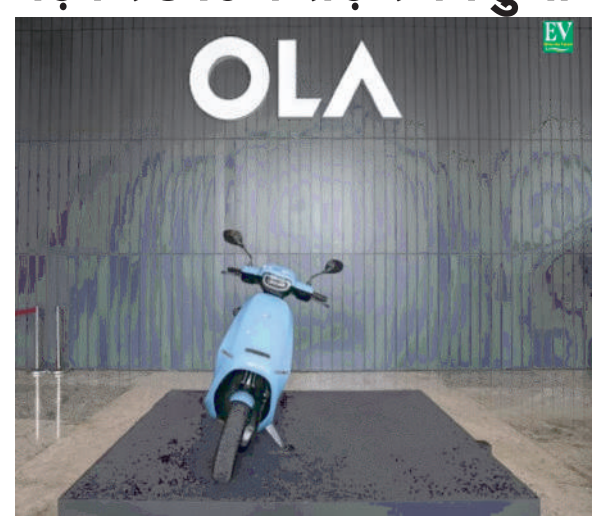

भाविश अग्रवाल की अगुआई वाली ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का घाटा वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में एक साल पहले के मुकाबले बढ़कर 346 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में घाटा 268 करोड़ रुपये था। तिमाही आधार पर घाटा कम होकर 418 करोड़ रुपये रह गया है और कंपनी को उम्मीद है कि मार्जिन में सुधार जारी रहेगा।

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में उतरने वाली ओला इलेक्ट्रिक ने परिचालन से राजस्व 32.26 फीसदी बढ़कर 1,644 करोड़ रुपये होने की सूचना दी। वहीं, तिमाही आधार पर राजस्व में 2.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

ओला इलेक्ट्रिक के प्रबंध निदेशक भाविश अग्रवाल ने वित्तीय नतीजों की घोषणा के बाद कहा कि आईपीओ के बाद कंपनी का फोकस मार्जिन सुधारने पर रहेगा। उन्होंने कहा, 'हमने विनिर्माण को एकीकृत किया है और सभी ऑटो घटकों का विनिर्माण घरेलू स्तर पर किया जा रहा है। इससे हमें मार्जिन सुधारने में मदद मिल रही है और यही हमारी रणनीति है।' 48.63 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ कंपनी ने इस तिमाही में अपना सबसे ज्यादा तिमाही राजस्व दर्ज किया है।

इलेक्ट्रिक वाहन में आग लगने और 100 कारों को नुकसान पहुंचने के बाद मर्सिडीज-बेंज कोरिया के प्रमुख निवासियों से मिलेंगे

परिवहन विशेष न्यूज

बुधवार को सूत्रों के अनुसार मर्सिडीज-बेंज कोरिया के सीईओ और अध्यक्ष मैथियास वेटेल इंचियोन में एक अपार्टमेंट परिसर के निवासियों से मिलने वाले थे, जहां मर्सिडीज-बेंज इलेक्ट्रिक वाहन द्वारा लगाई गई आग ने 100 से अधिक कारों को नष्ट कर दिया।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार वैटल ने सियोल से 27 किलोमीटर पश्चिम में इंचियोन के चेओंगना में अपार्टमेंट के निवासियों से मिलने की योजना बनाई है, ताकि 1 अगस्त को मर्सिडीज-बेंज ईक्यूई मॉडल में खड़ी आग के संबंध में कंपनी के उपायों पर चर्चा की जा सके।

आग ने पूरे पार्किंग गैरेज को नष्ट कर दिया और 100 से अधिक वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। सूत्रों के अनुसार, बैठक का नोटिस निवासियों के लिए एक ऑनलाइन समुदाय पर पोस्ट किया गया था। देश भर में ईवी सुरक्षा को लेकर आशंकाओं को जन्म देने वाली घटना के बाद वेटेल की यह पहली सार्वजनिक उपस्थिति होगी।

सैंकड़ों निवासियों को अस्थायी आश्रयों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि दुर्घटना ने परिसर में बिजली और पानी की आपूर्ति काट दी।

घटना के समय वेट्ल जर्मनी की यात्रा पर थे और सोमवार, 12 अगस्त को दक्षिण कोरिया वापस लौटे। कंपनी ने पिछले सप्ताह समाचार एजेंसी को भेजे संदेश में कहा कि विदेश में रहते हुए, वेट्ल घटना की जांच में सहयोग करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ निरंतर और सीधे संपर्क में रहे।

जबकि सीईओ जर्मनी में थे शुक्रवार, 09 अगस्त को कंपनी के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने निवासियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और राहत सहायता प्रयासों के हिस्से के रूप में 4.5 बिलियन वॉन (3.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) दान करने की पेशकश की।

मर्सिडीज-बेंज कोरिया को ईवी सुरक्षा आशंकाओं के बीच कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी आपूर्तिकर्ताओं के देर से खुलासे को लेकर उद्योग पर्यवेक्षकों और उपभोक्ताओं की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

जब जांच हुई तो पता चला कि मर्सिडीज-बेंज ईक्यूई मॉडल चीन की फरासिस एनर्जी द्वारा आपूर्ति की गई बैटरी कोशिकाओं से लैस था, जो ईवी बैटरी आपूर्तिकर्ताओं में वैश्विक स्तर पर 10वें स्थान पर है।

इस खुलासे ने यहाँ कई लोगों को चौंका दिया, खास तौर पर तब जब मर्सिडीज-बेंज के कार इंजीनियरिंग के उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ़ स्टारज़िन्स्की ने अप्रैल 2022 में एक दक्षिण कोरियाई समाचार आउटलेट के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि ईक्यूई वाहनों में बैटरी सेल चीन की CATL द्वारा आपूर्ति की जाएगी, जो बाजार हिस्सेदारी के मामले में वैश्विक ईवी बैटरी में अग्रणी है।

फ़रासिस एनर्जी ने आग के जोखिम के कारण 2021 में चीन में बड़े पैमाने पर बैटरी रिकॉल किया। फ़रासिस ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

बनाइए अपना खुशी बैंक

विजय गर्ग

व्यवसाय में विज्ञापन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आजकल मार्केटिंग पूरी तरह से विज्ञापनों पर निर्भर हो गई है। विज्ञापन ग्राहकों को कंपनी द्वारा पेश किए गए उत्पादों को खरीदने के लिए मनाने की कला है। यह जनसंचार की अवधारणाओं में से एक है। विज्ञापन क्षेत्र में करियर ग्लैमरस होने के साथ-साथ काफी प्रतिस्पर्धी भी है क्योंकि हर दिन अधिक से अधिक एजेंसियां खुल रही हैं।

खुशियों की ये गुल्लक पोर्टेबल है। आप जहां भी हों दुनिया में, जिस भी कोने में हों, आपकी यादें आपके साथ चलेंगी। दुनिया के किसी भी कोने में रहते हुए आपको कोई परेशानी आए, कोई दुख का समाचार मिले, कोई चिंताजनक घटना घट जाए, तो इस गुल्लक को खोल लीजिए और इसमें दर्ज घटनाओं को पढना शुरू कर दीजिए। थोड़ी ही देर में आपका मूड बदल जाएगा, उदासी हो, गुस्सा हो, निराशा हो, हताशा हो, अकेलेपन की भावना हो, डर हो, चिंता हो, जो भी परेशान करने वाली भावना होगी, वह दूर हो जाएगी और दिल खुश हो जाएगा। इन मीठी यादों को महफूज रखिए, उन्हें गाहे-बगाहे फिर से याद कीजिए, फिर से महसूस कीजिए और फिर देखिए कि दुख से निजात कैसे मिलती है, चिंता कैसे दूर होती है'

इस दुनिया में भला ऐसा कौन है जो खुश न रहना चाहता हो, आनंद में न रहना चाहता हो, सुखी न होना चाहता हो, खुशहाल न होना चाहता हो? अक्सर हम दुखी इसलिए होते हैं क्योंकि हम अपनी खुशी दूसरों में ढूंढते हैं। हम ये चाहते हैं कि दूसरे लोग ऐसे काम करें और ऐसा व्यवहार करें जिससे हमें खुशी मिल सके। ऐसा चाहते समय हम यह भूल जाते हैं कि सामने वाला व्यक्ति भी हमसे यही चाहता है, वह भी यही चाहता है कि हम वैसा व्यवहार करें और वैसे काम करें जिससे उसे खुशी मिले। टकराव यहीं से पैदा होता है क्योंकि हर व्यक्ति की उम्मीदें अलग हैं, आशाएं अलग हैं, जरूरतें अलग हैं। उम्मीदें अलग होने से असहमतियां पैदा होती हैं, गलतफहमियां पैदा होती हैं और अंततः रिश्तों में खटास आ जाती है। इसलिए यह जरूरी है कि हम ऐसा कुछ करें कि अपनी खुशियों के लिए हम किसी दूसरे के मोहताज न रहें। आज हम यह बात करेंगे कि अपने जीवन में खुद खुश होने का इंतजाम कैसे करें, खुद को इंपोर्टेंस कैसे दें। अगर हम जीवन में सफल हों, और अगर हमारे जीवन में खुशियां हों तो हम खुद को इंपौर्टेंस देने में कंजूसी नहीं करेंगे। तो सवाल यह है कि जीवन में खुशियां कैसे आएं, ताकि हम खुद से प्यार कर सकें। आज मैं आपको एक ऐसा टूल दूंगा कि जीवन भर के लिए आपको एक मास्टरी-की मिल जाएगी, एक ऐसी चाबी मिल जाएगी कि जीवन से निराशा, हताशा, दुख, चिंता, टेंशन, पछतावा वगैरह, सब के सब छूमंतर हो जाएंगे। बस यूं समझिए कि मैं आज जो आपको देने वाला हूं यह अलादीन का चिराग है। यह खुशियों का ऐसा खजाना है कि आपको जीवन भर के लिए मालामाल कर देगा। आज मैं आपको खुशियों की एक ऐसी गुल्लक भेंट करूंगा कि आपका जीवन सदा के लिए आनंदमय हो जाए। खुशियों की इस गुल्लक की सहायता से आपकी सारी चिंताएं काफूर हो जाएंगी, टेंशन खत्म हो जाएगी, फ्रस्टेशन नहीं रहेगी और जिंदगी के बहुत से झगड़े खुद-ब-खुद मिट जाएंगे। पर उससे पहले मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि हमेशा खुश रहने का तरीका जानने से पहले हमें यह समझना जरूरी है कि हमारा दिमाग काम कैसे करता है। हम अक्सर खतरों को बड़ा करके देखते हैं। नेगेटिव चीजों को जूम कर लेते हैं, बड़ा बना लेते हैं, उनसे डर जाते हैं या उन पर गुस्सा हो जाते हैं और यह डर या गुस्सा देर तक बना रहता है। जबकि जीवन में घटने वाली अच्छी घटनाओं की तरफ हमारा ध्यान ही नहीं जाता। परिणाम यह होता है कि हम चिंता ज्यादा करते हैं, गुस्सा ज्यादा करते हैं, परेशान ज्यादा होते हैं और खुश होने की सोच भी नहीं पाते। तो क्या इलाज है इसका? यहां आपके काम आती है खुशियों की गुल्लक। खुशियों का मनीबैंक। बैंक ऑफ हैपीनेस।

मैं समझाता हूं आपको। देखिए हमारे रोजमर्रा के काम में बहुत सी ऐसी चीजें हैं जिनसे हम खुश हो जाते हैं। खाना अच्छा बना, टेस्टी बना, खाना खाया तो खुश हो गए, लेकिन खाना खाने के तुरंत बाद हम उस खुशी को भुला देते हैं। किसी ने हमें शाबाशी दे दी, हमारी प्रशंसा कर दी, तो दिल खुश हो गया, पर थोड़ी ही देर बाद हम फिर अपने रूटीन के काम में लग जाते हैं। हमारा कोई काम बन गया, कोई नया आर्डर आ गया, कोई नया ग्राहक आ गया, सैलेरी बढ़ गई, इन्क्रीमेंट लग गई, प्रोमोशन हो गई, तो हम खुश हो जाते हैं, पर एक-दो महीने बाद सब नार्मल हो जाता है। हमें बड़ी कार मिल गई, बड़ा घर मिल गया, तो हम खुश हो जाते हैं, पर जल्दी ही सब कुछ रूटीन में बदल जाता है। तरीका यह है कि अगर हम टेस्टी फूड खाएं तो खाना खत्म हो जाने के बाद भी एक-दो मिनट उस खाने के स्वाद के बारे में अवेयर रहें, सचेत रहें, कांशसली उसके बारे में सोचें। कोई हमारी प्रशंसा कर दे, शाबाशी दे दे तो हम थैंक्यू तो कहें ही, पर उस फीलिंग को, उस इमोशन को, भावनाओं के उस मीठेपन को कुछ ज्यादा देर तक मन में बनाए रखें। खुश हो जाते हैं, पर जल्दी ही सब कुछ रूटीन में बदल जाता है। तरीका यह है कि अगर हम टेस्टी फूड खाएं तो खाना खत्म हो जाने के बाद भी एक-दो मिनट उस खाने के स्वाद के बारे में अवेयर रहें, सचेत रहें, कांशसली उसके बारे में सोचें। कोई हमारी प्रशंसा कर दे, शाबाशी दे दे तो हम थैंक्यू तो कहें ही, पर उस फीलिंग को, उस इमोशन को कुछ ज्यादा देर तक मन में बनाए रखें। यही कारण है कि हर सुबह मैं अपने परिवार के सभी सदस्यों को ह्वाट्सऐप करके गुड मार्निंग बोलता हूं। वो कहीं भी हों, मेरे शहर में हों या शहर से बाहर हों, बिना कारण भी उनकी प्रशंसा करता रहता हूं। कई बार वो इसे समझ भी नहीं पाते, पर उनका दिन अच्छा बीतता है। मेरा पर्पज हल हो जाता है। मुझे भला और क्या चाहिए? इसी तरह बड़ी कार, बड़ा घर, बड़ी सैलरी, प्रोमोशन वगैरह हो तो कांशसली उसे याद करें। ये हमारी गुल्लक है। उसमें ऐसी खुशियां जमा करते रहें। एक डायरी बना लें और ऐसी सभी खुशनुमा घटनाओं को उसमें लिखते चलें। यह आपकी खुशियों की गुल्लक है, हैपीनेस बैंक है। जब कभी चिंता हो, परेशानी हो, दुख का टाइम हो, तो इन खुशनुमा चीजों को याद करें तो परेशानी कम हो जाएगी, दुख कम हो जाएगा, चिंता कम हो जाएगी। प्रैक्टिस करते रहेंगे तो फिर यह बहुत आसान हो जाएगा।

यह बहुत सिंपल है, बहुत आसान है और बहुत इफेक्टिव भी है। इसे याद रखना भी आसान है, करना भी आसान है। खुशियों की ये गुल्लक पोर्टेबल है। आप जहां भी हों दुनिया में, जिस भी कोने में हों, आपकी यादें आपके साथ चलेंगी। दुनिया के किसी भी कोने में रहते हुए आपको कोई परेशानी आए, कोई दुख का समाचार मिले, कोई चिंताजनक घटना घट जाए, तो इस गुल्लक को खोल लीजिए और इसमें दर्ज घटनाओं को पढना शुरू कर दीजिए। थोड़ी ही देर में आपका मूड बदल जाएगा, उदासी हो, गुस्सा हो, निराशा हो, हताशा हो, अकेलेपन की भावना हो, डर हो, चिंता हो, जो भी परेशान करने वाली भावना होगी, वह दूर हो जाएगी और दिल खुश हो जाएगा। इन मीठी यादों को महफूज रखिए, उन्हें गाहे-बगाहे फिर से याद कीजिए, फिर से महसूस कीजिए और फिर देखिए कि दुख से निजात कैसे मिलती है, चिंता कैसे दूर होती है। यह मेरा गिफ्ट है आपको। आप अगर इस गिफ्ट को, इस उपहार को आगे बांटेंगे तो आपको और भी खुशी मिलेगी। किसी को कुछ दे पाना, हमारी खुशियों को कई गुना बढ़ा देता है। खुश होना सीखिए, खुश रहना सीखिए और खुशियां बांटना सीखिए, जीवन ही बदल जाएगा। आजमा कर देख लीजिए।

स्पिरिचुअल हीलर

संपादक की कलम से

एक और 'निर्भया कांड'

दुर्भाग्य है कि जिन्हें हम 'जीवन-रक्षक' मानते हैं, 'जीवन-दाता' भी कहते हैं और कई असाध्य बीमारियों के संदर्भ में भगवान से भी तुलना करते हैं, ऐसी ही एक महिला डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार और अंततः हत्या का 'राक्षसी काम' किया गया है। उनके साथी डॉक्टर ही नहीं, देश भर के डॉक्टरों का रोष और आंदोलन अब भी जारी है। करीब 3-4 लाख चिकित्सक देश भर में विरोध-प्रदर्शन को बाध्य किए गए हैं, लिहाजा अपने दायित्व को भी पीछे छोड़ कर वे अपने अस्तित्व और सुरक्षा की लड़ाई लड़ रहे हैं। देश में महिला डॉक्टर और नर्स, अस्पताल के परिसर में होने के बावजूद, सुरक्षित नहीं हैं। उन बलात्कारियों को 'दरिंदा' कहें या कुछ और करार दें, वे कमोबेश इनसान नहीं हैं। उन्होंने मानवीय लबादा ओढ़ रखा है। कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का यह मामला एक और 'निर्भया कांड' है। महिला ट्रेनी डॉक्टर की आंखों में उसके चश्मे का शीशा घुस गया, क्योंकि 'राक्षस' ने चश्मे पर भी वार किया था। डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट और छाती पर काफी गहरी चोट के निशान मिले हैं। सिर दीवार पर मारा गया था, लेकिन हत्या गला दबा कर की गई। ये पोस्टमॉर्टम के संक्षिप्त निष्कर्ष हैं। अच्छा हुआ कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से जांच सीबीआई को सौंप दी गई है, लेकिन मामला आईने की तरह सब कुछ बयां कर रहा है। ऐसे 'दानव' की सजा फांसी होनी चाहिए। मामला किसी गांव अथवा नाबालिग का नहीं है, जिसमें बहुस्तरीय जांच की दरकार होती है। पीड़िता भी बहुत कुछ बोल नहीं पाती। यह वीभत्स दुष्कर्म तो अस्पताल के सेमिनार रूम में किया गया, जहां 36 घंटे की लंबी ड्यूटी के बाद महिला डॉक्टर आराम करने या सोने गई थी। इस व्यवस्था पर भी सवाल होने चाहिए कि अस्पताल में सोने की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गई थी? दरअसल सुरक्षा बंदोबस्त और उनके कारगर होने के बीच 'गहरी खाई' है, इस केस से यह भी साबित हो गया। सवाल पुलिस की भूमिका पर भी उठाए जा रहे हैं, जिसने ऐसे बलात्कारी को 'वॉलंटियर' बना रखा है। दुष्कर्म की घटना के 5 दिन बाद तक भी पुलिस किसी शुरुआती निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई थी, लिहाजा अदालत ने जांच सीबीआई को सौंप दी। देश की राजधानी दिल्ली में जब 16 दिसंबर, 2012 की गहरी रात में 'निर्भया कांड' किया गया था और उसके बाद यौन हमलों, शोषण और उत्पीडऩ को लेकर नया कानून बनाया गया था, संसद खूब चीखी थी, तब कुछ सुकून महसूस हुआ था कि अब दरिंदगी कमोबेश कम होनी चाहिए, लेकिन वे प्रलाप 'नारी-शक्ति' तक ही सीमित रहे और औसत महिला की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पाई। बलात्कार और हत्याएं तो आज भी देश भर में होती हैं। यह डॉक्टर का और वह भी अस्पताल के भीतर का मामला है, लिहाजा ज्यादा गंभीर और संवेदनशील है। कोलकाता से लेकर मुंबई तक महिला डॉक्टरों के साथ जघन्य अपराधों के मामले सामने आते रहे हैं। गंभीर चिंता और सरोकार का मुद्दा है कि यह वहशीपन कब समाप्त होगा? समाज और देश मनोविकृतियों के बीमार हैं क्या? केंद्र सरकार ने 'निर्भया फंड' बनाया था। मौजूदा बजट में 100 फीसदी आवंटन बढ़ाया गया है, लेकिन 2013-22 का पूरा डाटा निराश करता है, क्योंकि 50 फीसदी से भी कम बजट खर्च किया गया है। या तो निष्क्रियता है अथवा प्रशासन गंभीर नहीं हैं! 2020-21 में उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण किया गया जिसमें चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले पुरुष और महिला का अनुपात 1:1 था। नर्सिंग में 100 पुरुष पर 310 महिलाएं यह पढ़ाई कर रही थीं। कार्यस्थल पर महिला के यौन उत्पीडऩ को लेकर 2013 में कानून बना था, लेकिन उसकी व्यवस्था भी आधी-अधूरी रही है। जहां कानून लागू किया गया है, वह आधे मन से किया गया है। सर्वोच्च अदालत ने भी मई, 2023 में 'सुरक्षित कार्यस्थल' को लेकर अथॉरिटी, प्रबंधन, नियोक्ताओं को तलब किया था। वे दफ्तर में सुरक्षित और संरक्षित माहौल मुहैया कराने में नाकाम रहे थे। फिर भी अस्पताल के भीतर इतनी बर्बर और वीभत्स घटना हो गई! यह चिंताजनक है।

राय

पालमपुर के पांव कहां तक

सोशल मीडिया की एक बहस में पालमपुर का आकाश, पालमपुर का विकास, पालमपुर के दाग और जिला मुख्यालय बनने के ख्वाब आपस में झगड़ रहे हैं। शहर के बुद्धिजीवियों के समक्ष चिंतक, विचारक एवं वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र सूद ने यह जानने की कोशिश की कि पालमपुर को जिला बनाना कितना सार्थक होगा। बेशक जनता अपने भविष्य की खिड़कियां खोलना चाहती है, लेकिन इस क्रांति के लिए नए जिलों की मुहिम ठुकरा दी जाती है। यह एक केस हिस्ट्री की तरह हिमाचल की चुनौतियों और समाधानों के बीच शहरी विकास की रूपरेखा पर चिंता प्रकट करता है। पालमपुर ने भविष्य की तलाश में जो अतीत खोया, उसके ऊपर विचार विमर्श न करें, तो असहाय समाज की बेडियां गिनी जा सकती हैं। आगे बढऩे की रफ्तार में रोती-छटपटाती चाय की झाडियों को उखाडक़र सुकून पाने की व्यापारिक लालसा को न समझा, तो ट्रैफिक जाम में फंसे शहर की रोज अर्थी निकलेगी। जिस बाजार में टहलते हुए शहर सदा जवान और ऊर्जावान लगता था, आज उसी की सुबह में शाम सी खामोशी इसलिए क्योंकि वाहनों ने रौंद दी शहर की जुबां। बचाओ जहां शहर चीख रहा है। वह तो घुग्गर टांडा, सुग्घर, आईमा, सुग्घर विंद्रावन, मारंडा, बनूरी और खलेट तक चीखने लगा। पालमपुर को पहले नगर और फिर नगर निगम के चरित्र में तो सफल होने दो। हम जिसे शहर मान रहे हैं, वह भू माफिया की गिरफ्त में रोता-बिलखता शहर है, जहां नालों या खड्डों को बहने की फुर्सत नहीं। देखना इस बरसात में किस इमारत ने बहते पानी को धोखा दिया। हम या धोखाधड़ी में बिकते सुकून को शहर मान बैठे या राजनीति के खेल में पालमपुर को दुकान मान बैठे। हिम्मत है तो लड़ो पालमपुर के अतीत और उस पर चिन्हित गौरव के लिए। है हिम्मत तो बचाओ शहर के बीच कृषि विश्वविद्यालय के महत्त्व को, वरना पर्यटक गांव को विकास मानकर बिकने दो अध्ययन की जमीन को। पर्यटन तो चाय की पत्तियों पर भी उगता है। धीरे से देखना कैसे चाय के पौधों की जगह कंक्रीट का पौधारोपण हो गया। कल बचा खुचा बंदला भी जब बिकेगा और पालमपुर पत्थरों पर आबाद दिखेगा, तो फिर सुकून के लिए चंडीगढ़ के आसपास फ्लैट खोज लेना। पालमपुर को पालमपुर की पहचान और पालमपुर की क्षमता में ही विकसित होना है। पहले पंद्रह वार्डों के लिए ऐसे पार्षदों को आगे भेजना सीखो, जो नगर निगम के माध्यम से नागरिक सुकून, शहरी आर्थिकी, शहर की परिकल्पना में ताजगी और इसकी पृष्ठभूमि को गंवाए बिना वर्तमान के संरक्षण में भविष्य की रूपरेखा बना सकें। पालमपुर की तरह बिलासपुर में घुमारवीं, मंडी में सरकाघाट, हमीरपुर में नादौन, कांगड़ा में ज्वालाजी, ऊना में चिंतपूर्णी, कांगड़ा में कांगड़ा, सिरमौर में पांवटा साहिब और सोलन से कहीं विस्तृत आकार में बीबीएन इत्यादि फैल रहे हैं, तो क्या इन्हें भी जिलों के ताज पहना दिए जाएं। इसके विपरीत हिमाचल में शहरी विकास के प्रति नई चेतना, प्राथमिकता व वित्त पोषण की व्यवस्था होनी चाहिए। कायदे से अगर टीसीपी कानून की संवेदना, परिपक्वता, सार्थकता व शहरी विकास योजना के तहत आगे बढ़ें, तो पालमपुर का कल, आज और कल इसकी खासियत को प्रमाणित कर सकते हैं, वरना राजनीति के कौए आपकी छत पर शोर मचाते रहेंगे, लेकिन किसी शुभ सूचना की गारंटी महज कोई घोषणा नहीं दे सकती। तमाम नगर निगमों के प्रबंधन के लिए माकूल धन, सक्षम नीतियां, कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रशासनिक ढांचा तथा रूपरेखा चाहिए। नगर निगमों के तहत पुलिस कमिश्नर स्तर की चौकसी तो स्थानीय ट्रांसपोर्ट के नेटवर्क के लिए एलिवेटिड रोड या रज्जु मार्गों की व्यवस्था करनी होगी।

स्वतंत्रता दिवस और व्यवस्था परिवर्तन का संकल्प

शिक्षा विभाग में शून्य पंजीकरण वाले 99 स्कूलों और दो से पांच संख्या विद्यार्थियों वाले 460 स्कूलों को बंद करके सरकार अपने राजस्व की बड़ी राशि की बचत करने जा रही है। सरकार द्वारा कर्मचारियों के स्टडी लीव पर जाने पर वेतन का 40 फीसदी देने के फैसले से भी करोड़ों का खर्चा बचेगा। यह समय का तकाजा है कि राज्य की माली हालत को पटरी पर लाने के लिए सरकार कुछ ठोस करे'

भारत आज अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। इस दिवस की धूम भारत के सभी राज्यों सहित विश्व भर में फैले भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों में भी रहेगी। इस बार हिमाचल प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस का राज्य स्तरीय समारोह जिला कांगड़ा के देहरा में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। देहरा के नागरिकों के लिए यह उत्सव इसलिए भी खास है क्योंकि देहरा विधानसभा क्षेत्र मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की धर्मपत्नी कमलेश ठाकुर का गृह विधानसभा क्षेत्र भी है और वह पिछले महीने ही देहरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुनी गई हैं। यह सच है कि पिछला एक साल मुख्यमंत्री और हिमाचल प्रदेश के लिए भारी उथल पुथल के दौर वाला रहा है, लेकिन इस बार उन्हें हिमाचल की आर्थिक स्थिति के दृष्टिगत अपने व्यवस्था परिवर्तन वाले संकल्प को निभाना होगा और इसके लिए उन्हें कड़वे निर्णयों को लेना होगा। विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले हिमाचल प्रदेश के नाम आज बड़ी-बड़ी उपलब्धियां दर्ज हैं, लेकिन कर्ज का बढ़ता बोझ भी एक लाख करोड़ के आंकड़े की दहलीज को छूने के लिए बेताब है।

15 अप्रैल, 1948 में जब हिमाचल प्रदेश अस्तित्व में आया था, तब प्रदेश में न तो अच्छी सडक़ें थी, न ही ज्यादा शिक्षण संस्थान थे और न ही उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं थीं। लेकिन बीतते वक्त के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश आगे बढ़ा और 288 किलोमीटर लंबी सडक़ों की लंबाई बढक़र आज लगभग 40 हजार किलोमीटर के आंकड़े को पार कर चुकी है। कांगड़ा हवाई पट्टी के विस्तारीकरण की दिशा में तीव्र गति से काम हो रहा है, तो हिमाचल प्रदेश अब जलविद्युत उत्पादन से हरित एवं सौर ऊर्जा राज्य बनने की दिशा की ओर अग्रसर है। हिमाचल प्रदेश को 2010 में भारत का पहला कार्बन-तटस्थ राज्य घोषित किया चुका है। हिमाचल प्रदेश में ई-विधानसभा, ई-कैबिनेट और ई-बजट की व्यवस्थाएं पूर्ण हो चुकी हैं। हिमाचल प्रदेश पूरे देश का पहला धुआंमुक्त राज्य भी है और यहां हर घर में गैस का चूल्हा है। हिमाचल प्रदेश के हर घर तक नल की और बिजली की सुविधा पहुंच चुकी है। हिमाचल को 2016 में भारत का दूसरा खुले में शौचमुक्त राज्य घोषित किया गया था। हिमाचल में गरीबी दर 2013-14 में 10.14 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 3.88 प्रतिशत रह गई है। हिमाचल में अब कैंसर रोगियों का निःशुल्क उपचार हो रहा है और राज्य सरकार ने कैंसर के उपचार के लिए 42 दवाएं निःशुल्क देने का फैसला लिया है। इसमें ट्रैस्टुजुमाब का टीका भी शामिल है, जिसका मूल्य लगभग 40 हजार रुपए है। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को तेजी से बढ़ावा देकर पर्यटकों का आंकड़ा पांच करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। हिमाचल प्रदेश में तंबाकू के पदार्थों पर पूर्ण रूप से रोक है और प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। सरकार को चाहिए कि वह एपीएल कार्ड धारकों को सब्सिडी पर उपलब्ध राशन के लिए दिए जा रहे अनुदान की व्यावहारिकता पर सर्वेक्षण करवाए।

हिमाचल के लगभग 9 लाख से ज्यादा बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के साधन उपलब्ध करवाना भी एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए स्वरोजगार को बढ़ावा देना होगा।

वर्ष 2023 के मध्य में आई भीषण प्राकृतिक आपदा के मोर्चे पर भी लड़ाई लडऩी पड़ी थी तो इसी मोर्चे पर अभी भी राहत की खबर नहीं है। सरकार के सामने जहां निरंतर घटते राजस्व की चुनौती है तो दूसरी तरफ बढ़ते कर्ज और देनदारियों का दबाव भी है। बढ़ती महंगाई के आलम में सरकार के समक्ष अपने कर्मचारियों को पिछले वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप उनके देय वित्तीय लाभ और डीए देने की बाध्यताएं भी हैं। इन परिस्थितियों में आर्थिक हालात को दुरुस्त करने के दृष्टिगत अब सुक्खू सरकार ने कुछ कड़वे और जन अलोकप्रिय निर्णयों को लागू करने की ओर कदम बढ़ाए हैं। अब सरकार ने निर्णय लिया है कि हिमाचल में पानी पर चार्ज लगेंगे और हिमाचल के सरकारी कर्मचारियों, करदाताओं और जो लोग गरीबी रेखा से ऊपर हैं, उनको पानी फ्री में नहीं मिलेगा, बल्कि उन्हें पानी के लिए 100 रुपए मासिक शुल्क देना होगा। इसी प्रकार से हिमाचल प्रदेश में पिछली भाजपा सरकार में शुरू हुई 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना को कांग्रेस की सुक्खू सरकार ने संपन्न वर्ग के लिए बंद कर दिया है। वहीं एचआरटीसी की बसों में सफर करने वाले पुलिस जवानों को केवल सरकारी कार्य के लिए मुफ्त सेवा मिलेगी। सरकार ने हिमकेयर योजना से निजी अस्पतालों, सरकारी कर्मचारियों एवं पेंशनरों को बाहर कर दिया है। हिमाचल सरकार ने खजाना भरने के लिए कुछ बड़े निर्णय लिए हैं। इनके लागू होने से सरकार को इस वित्तीय वर्ष में करीब दो हजार करोड़ का अतिरिक्त राजस्व लाभ अर्जित होगा। सरकार राजस्व जुटाने के लिए अवैध खनन पर शिकंजा कसने के लिए नई नीति लेकर आई है। सरकार द्वारा इस वर्ष नई आबकारी नीति लागू करने से शराब के ठेकों की इस वर्ष नीलामी से सरकार को 600 करोड़ की अतिरिक्त आय होगी।

शिक्षा विभाग में शून्य पंजीकरण वाले 99 स्कूलों और दो से पांच संख्या विद्यार्थियों वाले 460 स्कूलों को बंद करके सरकार अपने राजस्व की बड़ी राशि की बचत करने जा रही है। सरकार द्वारा कर्मचारियों के स्टडी लीव पर जाने पर वेतन का 40 फीसदी देने के फैसले से भी करोड़ों का खर्चा बचेगा। यह समय का तकाजा है कि राज्य की माली हालत को पटरी पर लाने और 2032 तक हिमाचल को भारत का विकसित राज्य बनाने का सपना देखने वाली सुखविंदर सरकार फिजूलखर्ची से बचते हुए लोकलुभावन घोषणाओं को करने से परहेज बरते और आर्थिक विशेषज्ञों की सलाह से जनहित में कड़वे फैसले ले। तभी प्रदेश सुखी और खुशहाल राज्य बनेगा।

अनुज आचार्य

एक पराजित लड़ाई'

उसे पता था वह हार जाएगा, लेकिन इसके बावजूद वह उम्र भर लड़ता रहा, एक हारती हुई लड़ाई। यह लड़ाई उसकी पेट भरने की लड़ाई थी। वह भीख मांग कर पेट नहीं भरना चाहता था, काम करके इज्जत की दो रोटी खाना चाहता था, लेकिन ये सब बातें इतनी बार दुहरायी जा चुकी हैं कि अब किसी घिसी हुई देसी फिल्म के संवाद भी नहीं लगतीं। इन्हें सुन कर अब किसी का दिल नहीं पसीजता। सरकारी मशीनरी के कल पुर्जे नहीं हिलते। भूख प्यास का शोर तेज हो जाता है तो इस मशीनरी पर घोषणाओं और नारों की एक और वार्निश कर दी जाती है। कुछ वर्ष पहले जब देश और दुनिया में महामारी फैली तो सडक़ों और चौराहों पर मौत के हरकारे दनदनाते थे। तब इन चौराहों से भिखारी ब्रिगेड गायब हो गए थे। कहा जा रहा था कि आसन्न मौत की शंका सबको डरा देती है। इन्हें भी डरा गयी। इसलिए इन गिरोहों के सरगना जलावतन हो गए, लेकिन भीख मांगने वाले कांपते हुए हाथ तो अभी तक यहां वहां फैले हैं। कोई और चारा न देख कर वे लोग फिर इन चौराहों पर नजर आने लगे हैं। कांपते हाथों, टूटते शब्दों के साथ आपकी कार के शीशे पर कपड़ा मारने का नाटक करते हुए। लेकिन आजकल इन गाडियों के शीशे नहीं खुलते। इन शीशों के पीछे, कारों के बीच डरे हुए लोग बैठे हैं। सडक़ पार जो खड़ा होकर अपना पेट भरने की विनय कर रहा है, उसका पहनावा फटा पुराना है और अधमैला सा।

उसकी प्रार्थना भी बहुत पुरानी है, उसका पेट भर देने की और अंदर जो मूल्यवान कपड़े से मुंह ढके बैठा है, उसकी उपेक्षा कर रहा है। भूख के खिलाफ एक लड़ाई चलती नजर आती है, एक हारती हुई लड़ाई। लडऩे के लिए ऊंची आवाज चाहिए, अति नाटकीयता चाहिए, आंसुओं का सजता हुआ बाजार चाहिए। घोषणाओं और नारों के तोरणद्वार चाहिएं और फिर उपलब्धियों के आंकड़ों का मायाजाल चाहिए। जो जीत गए, उनके पास सब कुछ था। अति नाटकीय भंगिमा के साथ मंच से उभरती हुई ऊंची आवाज थी, अनुसरण करते हजारों लोगों का बहते हुए आंसुओं का बाजार था। इसकी बढ़ती हुई टीआरपी उनका वोट बैंक बनती थी। जो जीतता है, वह राज करने की पांच वर्षीय नहीं पच्चीस वर्षीय योजना के साथ जीतता है, जो हारता है उसे उपेक्षा के साजिशी अंधेरे घेर लेते हैं। जो न कभी जीतता है और न कभी हारता है, वही तो है इस देश का आम आदमी जो नारों और घोषणाओं के त्रिशंकु पर लदा सदा हारने की लड़ाई लड़ता रहता है। वह कभी जीतता नहीं, जीतने के भ्रम में ही एक और लड़ाई हार जाता है।

रोटी, कपड़े और मकान की लड़ाई, हर हाथ को काम मिलने की लड़ाई, बेघर के घर और अधनंगे जिस्मों को कपड़े की लड़ाई। उसने पहले गांवों में अपने खेतों से निवल आय और निवल निवेश की वृद्धि को शून्य होते देखा तो भर पेट जीने के लिए शहरों में चले आए। शहरों में तीन शिफ्ट की जगह एक शिफ्ट चलती हुई फैक्टरियां मिलीं, कांइयां महाजनों का बही खाता मिला और हर रोज भूखा पेट रहने की मजबूरी यहां भी उसका पीछा करती रही। कल कारखानों के पीछे मजदूरों की अकेली और उदास बस्तियां खड़ी हैं, लेकिन इन बस्तियों के पीछे बंद गलियों के आखिरी मकान मिल जाते हैं, जहां अद्धे और पौने में उनके जेहन का सुकून मिलता है। लेकिन यह हारती हुई लड़ाई कभी कहीं चैन नहीं देती। उड़ान भरी तो पंख टूट गए, नशे की अंधेरी गुफा में गए तो पड़ोसी माफिया के हाथ का खिलौना बन गए। आधी-अधूरी चलती फैक्टरियां भी तो किसी को अपने दामन में नहीं समेटती।

सुरेश सेठ

श्वेत क्रांति ने बदली किसानों की तकदीर ,महिला सशक्तिकरण के साथ ही देश के विकास में भी निभाया अहम रोल

परिवहन विशेष न्यूज

किसानों के लिए नियमित सोर्स के रूप में दुग्ध उद्योग स्थापित करने में श्वेत क्रांति (White Revolution) का भी योगदान है। जब भी किसान के विकास के लिए शुरू हुई क्रांति की बात आती है तो हरित क्रांति (Green Revolution) के साथ दुग्ध क्रांति का भी नाम आता है। हम आपको इस लेख में बताएंगे कि कैसे श्वेत क्रांति ने किसानों की तकदीर को बदल दिया है।

नई दिल्ली: किसानों के विकास के लिए हरित क्रांति (Green Revolution) के साथ श्वेत क्रांति (White Revolution) का भी अहम रोल रहा है। जहां हरित क्रांति की शुरुआत फसल उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए किया गया था। वहीं, श्वेत क्रांति का उद्देश्य किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के साथ दूध उत्पादन में वृद्धि करना था। दूध के उत्पादन में वृद्धि होने से जहां आम जनता को कम कीमत में दूध मिलेगा, वहीं दूसरी तरफ किसानों को इससे फायदा होगा।

आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश भारत है। यह लक्ष्य श्वेत क्रांति की वजह से ही हासिल हुआ है। सबसे बड़े दूध उत्पादक देश के साथ ही खाद्य सुरक्षा में भी सुधार हुआ और दूध से बने उत्पादों की उपलब्धता-गुणवत्ता में भी वृद्धि हुई।

1970 के दशक में शुरू हुई क्रांति

श्वेत क्रांति को श्दुग्ध क्रांतिश् भी कहा जाता है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने और उनकी तकदीर बदलने में इस क्रांति ने अहम भूमिका निभाई है। 1970 के दशक में इस क्रांति की शुरुआत हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य देश में दूध के उत्पादन को बढ़ावा देना था, ताकि भारत को दूध के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इस क्रांति ने दूध के उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आय और जीवनस्तर में भी सुधार किया।

डॉक्टर वर्गीज कुरियन (Dr Verghese Kurien) ने श्वेत क्रांति की शुरुआत की थी। इन्हें 'श्वेत क्रांति का जनक' भी कहा जाता है। इस क्रांति का महत्वपूर्ण और बड़ा हिस्सा ऑपरेशन फ्लड भी है। इस क्रांति में सबसे पहले दूध उत्पादन में तेजी लाने के लिए सहकारी समितियों का गठन किया गया। इसमें छोटे किसानों और दूध उत्पादकों को स्थिर बाजार के साथ उचित कीमत मिली।

पहले किसानों को कम कीमत पर दूध बेचना पड़ता था, लेकिन सहकारी समितियों के जरिये वह बेहतर मूल्य पर दूध बेच पा रहे हैं।

एक निवेशक के दृष्टिकोण से देखा जाए, तो श्वेत क्रांति ने ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश के नए अवसर खोले हैं। सहकारी समितियों और दुग्ध उद्योग में निवेश करने से न केवल अच्छा रिटर्न प्राप्त हो रहा है, बल्कि इसका ग्रामीण विकास में भी योगदान मिल रहा है। आज भी दुग्ध

उद्योग में निवेश करना एक सुरक्षित और लाभकारी विकल्प माना जाता है, खासकर जब हम इसे भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और किसानों की समृद्धि के संदर्भ में देखते हैं।

सिद्धार्थ मौर्य, फाउंडर एंड मैनेजिंग डायरेक्टर, विभावंगल अनुकूलकारा प्राइवेट लिमिटेड

आर्थिक रूप से सशक्त हुए किसान

श्वेत क्रांति ने किसानों और पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया। इस क्रांति के बाद किसान केवल खेती पर निर्भर नहीं हैं। कई बार मौसम और अन्य कारणों की वजह से फसल उत्पादन अच्छा नहीं होता है। ऐसी स्थिति में किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता था। इस स्थिति में किसानों की नियमित आय का स्रोत दूध उत्पादन बना। इसने किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारा।

श्वेत क्रांति में महिलाओं की भूमिका

श्वेत क्रांति ने किसानों के साथ महिलाओं के लिए भी अहम भूमिका निभाई है। दूध उत्पादन और वितरण के लिए महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनीं। आत्मनिर्भरता के साथ महिलाओं को समाज में नई पहचान मिली और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा।

श्वेत क्रांति से मिल्क इंडस्ट्री को मिली मजबूती

आज के समय में दूध उत्पादन एक उद्योग के रूप में विकसित हो चुका है। दुग्ध उद्योग के साथ गांवों में इससे जुड़े कई व्यवसाय भी उभरे जैसे-पशु चारा, पशुपालन आदि। इन सभी व्यवसायों ने गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए और साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया।

अतः यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि श्वेत क्रांति ने सचमुच किसानों की तकदीर बदल दी। यह इस बात को साबित करता है कि अगर सही योजना के साथ कोई क्रांति लाई जाती है तो वह लोगों की भलाई के साथ देश के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण होता है।

आज देश के सभी बैंक रहेंगे बंद, फिर भी कुछ बैंकिंग सर्विस का उठा पाएंगे फायदा

नई दिल्ली। आज देश में 78वां स्वतंत्रता दिवस (Independence Day 2024) मनाया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश के सभी बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा बैंक हॉलिडे तय किया जाता है। आप जब भी बैंक जाएं तो पहले बैंक हॉलिडे लिस्ट (Bank Holiday List) जरूर चेक करें।

अगर आपको लग रहा है कि इस बार लॉन्ग वीकेंड रहेगा तो ऐसा नहीं है। 16 अगस्त और 17 अगस्त को बैंक खुले रहेंगे। दरअसल, आरबीआई के नियमों के अनुसार महीने के हर दूसरे-चौथे शनिवार को बैंक बंद रहते हैं। इसके अलावा रविवार को भी बैंक बंद रहते हैं। आइए, जानते हैं कि 15 अगस्त के अलावा किस-किस दिन बैंक बंद रहने वाले हैं।

अगस्त में कब-कब बंद रहेगा बैंक

- 18 अगस्त को रविवार होने की वजह से सभी बैंकों में छुट्टी रहेगी।
- 19 अगस्त को रक्षाबंधन के मौके पर अगरतला, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, देहरादून, ईटानगर, कानपुर, लखनऊ, शिमला के बैंक बंद रहेंगे।
- 20 अगस्त को श्री नारायण गुरु जयंती है। इस मौके पर कोची और तिरुवनंतपुरम के बैंक बंद रहेंगे।
- 25 अगस्त को रविवार है। इस दिन सभी बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी होती है।
- 26 अगस्त को जन्माष्टमी के मौके पर अहमदाबाद, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गंगटोक, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, देहरादून, ईटानगर, कानपुर, लखनऊ, शिमला, पटना, रायपुर, रांची, शिलांग, श्रीनगर, कोलकता के बैंक बंद रहेंगे।
- 31 अगस्त को चौथे शनिवार होने की वजह से सभी बैंक में छुट्टी रहेगी।

चालू रहेगी बैंकिंग सर्विस

बैंक बंद होने के बावजूद ग्राहकों को कई बैंकिंग सर्विस मिलती है। इन बैंकिंग सर्विस में से एक एटीएम सर्विस भी है। कस्टमर आसानी से एटीएम का इस्तेमाल करके कैश विड्रॉ, मिनी स्टेटमेंट और पिन जनरेशन आदि काम कर सकते हैं। इसके अलावा नेट बैंकिंग और ऑनलाइन बैंकिंग का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यूपीआई की सर्विस पर कोई रोक नहीं होती है। ग्राहक किसी भी समय यूपीआई के जरिये पेमेंट कर सकते हैं।

वैश्विक स्तर पर UPI ने दी भारत को नई पहचान, देश में डिजिटल पेमेंट के नए युग की हुई शुरुआत

परिवहन विशेष न्यूज

भारत को वैश्विक स्तर पर पहचान देने में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) ने बड़ी भूमिका निभाई है। यूपीआई के जरिये अब एक रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की पेमेंट करना मुश्किल नहीं है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि यूपीआई ने लेनदेन के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। इसके अलावा इसने वैश्विक स्तर पर भी भारत को नई पहचान दी है।

नई दिल्ली: आज के समय में घर से निकलते वक्त पर्स घर पर रह जाए, तब भी हमें कोई फिक्र नहीं होती, क्योंकि हम जानते हैं कि स्मार्टफोन ही अब हमारा पर्स बन गया है। मौजूदा समय में पेमेंट के लिए कैश के साथ यूपीआई (UPI Payment) भी काफी अच्छा ऑप्शन हो गया है। आप 5 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये प्रतिदिन तक की पेमेंट यूपीआई की मदद से कर सकते हैं। और सबसे अच्छी बात है कि इसके लिए आपको कोई चार्ज भी नहीं देना होता। जहां वर्ष 2016 से पहले छुट्टे पैसों के लिए टेंशन रहती थी, अब ऐसा नहीं है। 1 रुपये तक के भुगतान के लिए यूपीआई मौजूद है।

ऑनलाइन पेमेंट की जब भी बात आती है तो यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) का जिक्र होता ही है। 2016 से पहले तक यूपीआई एक अनजान शब्द था। आज दुनिया के कई देशों में इसका डंका बज रहा है। अब कई देशों में बिना कैश एक्सचेंज करवाए हम आसानी से यूपीआई के जरिये लेन-देन कर सकते हैं। वैश्विक स्तर पर यूपीआई भारत की पहचान बन चुका है। इसने फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन (Financial Transaction) को पूरी तरह से बदल दिया है और डिजिटल पेमेंट में एक नए युग को शुरू किया है।

पहले जहां एक बैंक अकाउंट से दूसरे बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर करने में काफी समय लगता था। वहीं, अब कुछ मिनटों में आसानी से पेमेंट हो जाती है। यूपीआई ने काफी हद तक लेन-देन को आसान और सुरक्षित बना दिया है।

"एक निवेशक के रूप में, यूपीआई का महत्व और भी बढ़ जाता है। यूपीआई ने भारत में वित्तीय समावेशन (Financial Inclusion) को बढ़ावा दिया है, जिससे बैंकिंग सेवाओं का उपयोग ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी संभव हुआ है। इससे व्यापार और अर्थव्यवस्था में तेजी आई है और छोटे-मोटे कारोबारियों को भी इससे काफी फायदा मिला है। यूपीआई ने काले धन और नकदी के उपयोग को भी कम किया है, जिससे पारदर्शिता और आर्थिक स्थिरता में सुधार हुआ है।"

यूपीआई के बारे में

वैसे तो यूपीआई की शुरुआत 2016 में हुई थी, लेकिन इसे पहचान कोरोना महामारी के बाद मिली है। बाजार में यूपीआई की हिस्सेदारी 2021 में बढ़ी है। अधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2016-2017 में जहां यूपीआई के जरिये 36 फीसदी पेमेंट होती थी। वहीं, 2021 तक यूपीआई भुगतान दर 63 फीसदी पहुंच गई। इससे साफ पता चलता है कि 5 साल में लोगों के बीच यूपीआई ने अपनी पहचान बना ली।

यूपीआई की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह किसी भी बैंक अकाउंट को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़कर काम करता है। इसके माध्यम से आप एक मोबाइल नंबर या वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (VPA) का इस्तेमाल करके तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं या फिर पा सकते हैं। आज छोटे दुकानदार से लेकर बड़े बिजनेसमैन भी

यूपीआई के जरिये लेन-देन करना पसंद करते हैं। यूपीआई से डिजिटल लेन-देन को नया आयाम मिला है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में यूपीआई की भूमिका

यूपीआई ने भारत को एक डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया है। आज करोड़ों लोग यूपीआई का इस्तेमाल करके बिना किसी बैंक ब्रांच में गए, अपने स्मार्टफोन से ही पेमेंट कर रहे हैं। यूपीआई ने डिजिटल पेमेंट को इतना सरल और सुलभ बना दिया है कि इसे न केवल शहरों में, बल्कि गांवों में भी बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है।

यहां तक यूपीआई ने भारत को वैश्विक स्तर पर भी नई पहचान दी है। दुनिया भर के देश अब यूपीआई मॉडल को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक और एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) की इस पहल ने भारत को डिजिटल लेन-देन में एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित कर दिया है।

आज के समय में यूपीआई न केवल भारत की आर्थिक प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि यह देश की प्रगति और विकास का प्रतीक भी बन चुका है। यूपीआई का विकास भारत के वित्तीय और डिजिटल भविष्य में एक बड़ा योगदान देने वाला है। यह न केवल एक वित्तीय उपकरण है, बल्कि भारत की नयी पहचान का प्रतीक भी है, जो देश को डिजिटल युग में एक नई दिशा में ले जा रहा है।

आजादी के बाद रेलवे की बदल गई तस्वीर, स्टीम इंजन से वंदे भारत तक का तय किया सफर

भारतीय रेलवे का सफर भाप इंजन से शुरू हुआ और आज बुलेट ट्रेन तक पहुंचने वाला है। रेलवे के इस सुनहरे सफर में काफी उतार-चढ़ाव भी आए। इन उतार-चढ़ाव के साथ आज भारतीय रेलवे दुनिया के लिए मिसाल बन गया। आगामी सालों में भी भारतीय रेलवे को बेहतरीन बनाने के कई प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं। पढ़ें पूरी खबर..

नई दिल्ली: वैसे तो भारतीय रेलवे का इतिहास आजादी से पहले का है, लेकिन जब सफर की बात आती है तो इसमें बड़े बदलाव आजादी के बाद देखने को मिले। अपने उतार-चढ़ाव भरे सफर के साथ आज इंडियन रेलवे अमृत महोत्सव के गंतव्य तक पहुंच गया है। आज हम आपको इस लेख में आजादी के बाद से लेकर अब तक के भारतीय रेलवे के सफर के बारे में विस्तार से बताएंगे।

दुनिया के लिए मिसाल है भारतीय रेलवे

दुनिया में सबसे बड़े रेल नेटवर्क की जब भी बात आती है तो भारतीय रेलवे का नाम जरूर आता है। भारतीय रेलवे का नेटवर्क लगभग वर्तमान में करीब 1.26 लाख किलोमीटर से ज्यादा का हो गया है। भारतीय रेल नेटवर्क के जरिए हर दिन करोड़ों की संख्या में लोग यात्रा करते हैं। भारत में ट्रेनें रोजाना जितनी दूरी तय करती हैं, अगर उसे मापें तो कुल दूरी करीब 36.78 लाख किलोमीटर की होगी। अब अगर इसकी तुलना अंतरिक्ष में धरती का एक चक्कर लगाने से करें, तो यह 97 बार पृथ्वी का चक्कर लगाने जितनी होगी। इसका मतलब है कि भारतीय रेलवे रोजाना धरती के चारों ओर 97 बार चक्कर लगाने जितनी दूरी तय करती है।

भारतीय रेलवे का विकास

आजादी के बाद से भारतीय रेलवे ने काफी विकास किया है। भारतीय रेलवे का भाप इंजन से लेकर वंदे भारत तक का यह सफर काफी अनोखा है। उम्मीद है कि आगामी पांच सालों में यह सफर शानदार रहने वाला है। देश के अभी कई रूट्स पर वंदे भारत दौड़ रही है और कुछ सालों में पहाड़ी इलाकों पर भी वंदे भारत दौड़ने लगेगी।

अब रेलवे नेटवर्क में कश्मीर, पूर्वोत्तर और लद्दाख जैसे पहाड़ी इलाकों को भी जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा आर्थिक विकास के लिए रेलवे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। रेलवे के विकास में वंदे भारत की अहम भूमिका है। यह भारत की बड़ी आबादी के लिए महत्वपूर्ण जीवन रेखा है।

आने वाले कुछ वर्षों में भारतीय रेलवे विश्व स्तरीय सुविधाओं और अत्याधुनिक तकनीक वाली ट्रेनों से लैस होगा। इसका मतलब है कि रेलवे यात्रियों को और सुगम सुविधाएं मिलेगी।

जल्द दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

भारत में वर्ष 2026 तक बुलेट ट्रेन के चलने की संभावना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन परियोजना की समीक्षा की थी और बताया था कि साल 2026 तक भारत की पटरियों पर बुलेट ट्रेन दौड़ती हुई दिख सकती है। भारत की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच चलेगी। आज के समय में जहां मुंबई और अहमदाबाद के बीच सफर करने में छह घंटे लगते हैं। वही, बुलेट ट्रेन के बाद यह समय आधा हो जाएगा।

आर्च ब्रिज है उपलब्धि

भारत के चिनाब नदी पर आर्च ब्रिज बन चुका है। इस ब्रिज का निर्माण यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट के तहत हुआ। आर्च ब्रिज और अंजी ब्रिज इंजीनियरिंग का एक अद्वितीय उदाहरण पेश करती है। आर्च ब्रिज की वजह से रेल नेटवर्क में कश्मीर को सफलतापूर्वक जोड़ा गया है। आर्च ब्रिज के जरिये देशवासी आसानी से ट्रेन के माध्यम से कश्मीर पहुंच पाएंगे।

भारतीय रेलवे अपने नेटवर्क के विस्तार के साथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी काम कर रहा है। इसके लिए भारतीय रेलवे द्वारा राजधानी दिल्ली के करीब 118 किलोमीटर और बाकी मंडलों पर भी 1175 किलोमीटर रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की टक्कर को रोकने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस तकनीक का नाम 'कवच' है, इससे ट्रेन हादसे को रोकने में सफलता हासिल होगी।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बंद रहेंगे शेयर बाजार, बैंकों में भी नहीं होगा काम

परिवहन विशेष न्यूज

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेगा। यहां तक कि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) में भी कोई कारोबार नहीं होगा। इसका मतलब है कि कल आप कोई शेयर की खरीद बिक्री नहीं कर पाएंगे। स्टॉक मार्केट के साथ सभी बैंकों में भी कल छुट्टी रहेगी। पढ़ें पूरी खबर..

नई दिल्ली। 15 अगस्त को 78वां स्वतंत्रता दिवस (Independence Day 2024) मनाया जाएगा। इस मौके पर शेयर बाजार में कोई कारोबार नहीं होगा। बाजार के मुख्य सूचकांक यानी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) में भी कल ट्रेडिंग नहीं होगी। यहां तक कि सभी सेगमेंट यानी इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव सेक्शन और सिक्योरिटीज लेंडिंग और बॉरोइंग (SLB) भी बंद रहेंगे।

स्टॉक मार्केट के हॉलिडे कलेंडर (Stock Market Holiday List) के अनुसार राष्ट्रीय त्योहार के दिन शेयर बाजार बंद रहता है। स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय त्योहार है, इस वजह से कल बाजार बंद रहेगा।

बंद रहेगा कमोडिटी मार्केट

15 अगस्त यानी कल पूरे दिन के लिए कमोडिटी मार्केट बंद रहेगा। आपको बता दें कि बीएसई पर कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (EGR) सेगमेंट के साथ-साथ मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड पर सभी बुलियन, मेटल और ऊर्जा डेरिवेटिव्स की ट्रेडिंग होती है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) के दोनों सेशन यानी सुबह और शाम के सत्र भी बंद रहेंगे।

शेयर बाजार और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज 16 अगस्त (शुक्रवार) को निर्धारित समय पर खुलेंगे।

बैंक भी रहेंगे बंद

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा जारी बैंक हॉलिडे लिस्ट (Bank Holiday List) के अनुसार 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस की वजह से सभी बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, 16 अगस्त और 17 अगस्त को बैंक खुला रहेगा। इसका मतलब है कि यह लॉन्ग वीकेंड नहीं है। बैंक बंद रहने के बावजूद कस्टमर नेट बैंकिंग, ऑनलाइन बैंकिंग, एटीएम जैसे सर्विस का इस्तेमाल कर सकता है।

क्या है सेकुलर सिविल कोड, जिसका प्रधानमंत्री मोदी ने किया जिक्र, लागू होने पर देश में क्या-क्या बदलेगा?

परिवहन विशेष न्यूज

संविधान का अनुच्छेद 44 सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने की बात करता है। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से एक बार फिर इसकी चर्चा छेड़ी है लेकिन उनके भाषण में खास बात यह थी कि उन्होंने उसे नया शब्द दिया कहा देश की मांग सेकुलर सिविल कोड की है। आइए जानते हैं इससे क्या-क्या बदलेगा।

नई दिल्ली। संविधान का अनुच्छेद 44 सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने की बात करता है। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से एक बार फिर इसकी चर्चा छेड़ी है, लेकिन उनके भाषण में खास बात यह थी कि उन्होंने उसे नया शब्द दिया, कहा देश की मांग सेकुलर सिविल कोड की है।

धर्म के आधार पर भेदभाव है

प्रधानमंत्री का इशारा विभिन्न धर्मों के पर्सनल लॉ में शादी, तलाक, गुजाराभत्ता, गोद लेना व संरक्षक तथा उत्तराधिकार के नियमों को लेकर भिन्नता की ओर था क्योंकि इनमें सिर्फ धर्म के आधार पर भेदभाव है। जबकि संविधान के अनुच्छेद 44 का मर्म यही है कि कानून सभी नागरिकों के लिए समान होना चाहिए।

समान नागरिक संहिता लागू होगी तो क्या होगा?

समान नागरिक संहिता लागू होगी तो शादी, तलाक, भरणपोषण, गोद लेना व संरक्षक और उत्तराधिकार व विरासत के नियम कानून सभी धर्मों के लिए समान हो जाएंगे। पर्सनल लॉ देखे जाएं तो हिंदू महिला के अधिकार अलग हैं और मुस्लिम महिला के अधिकार अलग। दोनों हर तरह से समान हैं लेकिन धर्म अलग होने के कारण संपत्ति पर, बच्चा गोद लेने संरक्षक बनने के अधिकार यहां तक कि शादी के नियम और तलाक व गुजारा भत्ता के अधिकार भी दोनों के अलग अलग हैं।

समानता लाने की जरूरत

महिलाओं के इन अधिकारों में ज्यादा असमानता मुस्लिम और हिन्दू पर्सनल लॉ में देखने को मिलती है लेकिन ईसाइयों के भी कुछ कानून ऐसे हैं जिनमें भिन्नता है और समानता लाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट कई फैसलों में समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कर चुका है लेकिन स्पष्ट निर्देश कभी नहीं दिया।

शादी योग्य आयु भी अलग-अलग

विभिन्न धर्मों में नियमों में असमानता देखी जाए तो लड़की-लड़के की शादी की आयु अलग है। अभी हिंदू, जैन, बौद्ध, सिख के लिए 18 और 21 वर्ष आयु है जबकि शरीयत एक्ट में लड़की के मासिक धर्म शुरू होने पर शादी योग्य माना जाता है। तलाक के आधार और प्रक्रिया में भी हिन्दू और मुस्लिम पर्सनल लॉ में अंतर है।

बच्चे के संरक्षण के नियम भी अलग

तीन तलाक खत्म होने के बावजूद मुस्लिमों में तलाक ए हसन, तलाक ए अहसन तलाक ए बाइन और तलाक ए किनाया आज भी लागू है। गुजाराभत्ता व बच्चा गोद लेना और बच्चे के संरक्षण के नियम भी सभी समान नहीं हैं। मुसलमानों में बच्चा गोद नहीं लिया जा सकता। वसीयत का भी अधिकार नहीं है।

तीन तलाक अवैध घोषित हो चुका

समान नागरिक संहिता का लक्ष्य पाना अब बहुत कठिन नहीं है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट से आए विभिन्न फैसले और नये प्रस्तावित कानूनों को देखा जाए तो इसके कई पहलू पूरे हो चुके हैं। जैसे सभी धर्मों के लिए विवाह की आयु समान करने का विधेयक संसदीय समिति के समक्ष लंबित है। तीन तलाक सुप्रीम कोर्ट से अवैध घोषित हो चुका है।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता कानून बना

शादी, उत्तराधिकार, संपत्ति आदि का मसला संविधान की समवर्ती सूची में आता है इसलिए इस पर केंद्र के अलावा राज्य भी कानून बना सकते हैं। इसी के तहत उत्तराखंड सरकार ने समान नागरिक संहिता का कानून बनाया है राष्ट्रपति से मंजूरी मिल चुकी है अभी उसकी नियमावली तैयार हो रही है। नियमावली अधिसूचित होते ही कानून लागू हो जाएगा। आजादी के बाद उत्तराखंड देश का पहला राज्य होगा जहां समान नागरिक संहिता लागू होगी। गोवा में आजादी के पहले से समान नागरिक संहिता लागू है।

विरोधियों पर निशाना, बांग्लादेश हिंसा पर चिंता; पीएम के भाषण की 10 बड़ी बातें

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लगातार 11वीं बार लाल किले की प्राचीर से तिरंगा झंडा फहराया और अपने पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। पीएम ने भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर कई खास बातें बोलीं। उन्होंने बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक संकट सहित कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर बात की। आइए जानें पीएम के भाषण की 10 बड़ी बातें...

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने आज यानी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर लगातार 11वीं बार लाल किले की प्राचीर से तिरंगा झंडा फहराया। पीएम ने इसी के साथ अपने पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

पीएम ने भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर कई खास बातें बोलीं। उन्होंने बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक संकट सहित कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर बात की।

आइए, जानें पीएम के भाषण की 10 बड़ी बातें...

लाल किले के प्राचीर से यह पीएम मोदी का सबसे लंबा स्वतंत्रता दिवस भाषण था, जो 98 मिनट का था। मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण औसतन 82 मिनट के होते हैं। यह भारत के इतिहास में किसी भी अन्य प्रधानमंत्री से ज़्यादा लंबा भाषण था।

इससे पहले उनका सबसे लंबा स्वतंत्रता दिवस भाषण 2016 में 96 मिनट का था, जबकि उनका सबसे छोटा भाषण 2017 में था, जब उन्होंने लगभग 56 मिनट तक भाषण दिया था।

पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश में हालात जल्द ही सुधरेंगे, साथ ही उन्होंने वहां हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर चिंता भी जताई। मोदी ने कहा कि भारत हमेशा बांग्लादेश के विकास और तरक्की का समर्थन करेगा।

पीएम ने अपने संबोधन में देश में समान नागरिक संहिता की वकालत करते हुए कहा कि देश में कम्युनल नहीं, सेक्युलर सिविल कोड चाहिए।

मोदी ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों के लिए दी जाने वाली सजाओं का व्यापक प्रचार करने की जरूरत है, ताकि गलत करने वालों को कानून का डर बना रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने ₹महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास मॉडल₹ पर काम किया है, लेकिन वे अभी भी महिलाओं के खिलाफ बलात्कार और हिंसा की घटनाओं को लेकर चिंतित हैं।

मोदी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर कृषि क्षेत्र में बड़े सुधारों पर भी जोर दिया और देश में किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयासों पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने जैविक खेती को चुनने के लिए किसानों की सराहना की।

मोदी ने कहा कि देश के छात्र दूसरे देशों में मेडिकल की पढ़ाई करने जाते हैं, जो सही नहीं। इसके चलते अगले पांच वर्षों में 75,000 और मेडिकल सीटें बढ़ाई जाएंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम एक ही संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं वो है विकास, लेकिन कुछ लोग हैं जो प्रगति को बर्दाश्त नहीं कर सकते या भारत की प्रगति के बारे में तब तक नहीं सोच सकते जब तक कि इससे उन्हें लाभ न हो। वे अराजकता चाहते हैं। देश को इन मुट्ठी भर निराशावादी लोगों से खुद को बचाने की जरूरत है।

मोदी ने भ्रष्टाचार और इसके महिमामंडन पर चिंता व्यक्त की और इसे समाज के लिए एक बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने कहा, ₹मुझे पता है कि मुझे इस लड़ाई की कीमत चुकानी होगी, मेरी प्रतिष्ठा दांव पर लग सकती है, लेकिन देश का हित व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से अधिक महत्वपूर्ण हैं।

मोदी ने कहा कि भारत में बड़े पैमाने पर वैश्विक आयोजन करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि देश 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

अगले पांच वर्षों में देश में मेडिकल की 75 हजार नई सीटों का होगा सृजन, नहीं जाना पड़ेगा विदेश

पीएम मोदी ने देश की शिक्षा व्यवस्था को विकसित करने की इच्छा जताई। उन्होंने पांच वर्षों में मेडिकल की 75 हजार नई सीटों के सृजन का एलान किया। उन्होंने कहा कि 25 हजार बच्चे हर साल सिर्फ मेडिकल की पढ़ाई करने विदेश जाते हैं। इसे रोकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में हमने मेडिकल की सीटों को बढ़ाकर करीब एक लाख कर दिया है।

नई दिल्ली। मेडिकल सहित उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए देश के नौजवानों के विदेश में होने वाले पलायन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को चिंता जताई और इसे रोकने की जरूरत भी बताई। उन्होंने अगले पांच वर्षों में देश में मेडिकल की 75 हजार नई सीटें सृजित करने का भी एलान किया।

देश में होगी विदेश जैसी शिक्षा की व्यवस्था

पीएम ने देश की शिक्षा व्यवस्था को कुछ इस तरह से विकसित करने की मंशा जताई, ताकि देश के युवाओं को पढ़ाई के लिए विदेश न जाना पड़े और उन्हें देश में ही विदेशी संस्थानों जैसी शिक्षा मिल सके। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को संबोधित करते हुए यह एलान किया।

हर साल बाहर जाते 25 हजार बच्चे

पीएम ने कहा कि अकेले मेडिकल की पढ़ाई के लिए देश के करीब 25 हजार बच्चे हर वर्ष विदेश जाते हैं। उन्हें ऐसे-ऐसे देशों में जाना पड़ रहा है, जिनका नाम सुनकर भी हैरान हो जाता हूं। इनमें ज्यादातर मध्यम वर्ग परिवार के बच्चे होते हैं, जिन्हें मेडिकल की पढ़ाई के लिए लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करने पड़ते हैं। यही वजह थी कि पिछले दस वर्षों में हमने मेडिकल की सीटों को बढ़ाकर करीब एक लाख कर दिया है।

शिक्षा व्यवस्था को मजबूती दी जा रही

प्रधानमंत्री ने नौजवानों के पलायन पर अपनी चिंता को देश के सामने रखा और कहा कि मैं नहीं चाहता कि देश के नौजवानों को पढ़ाई के लिए विदेश जाने के लिए मजबूर होना पड़े। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद हम इस दिशा में तेजी से जुटे हैं। शिक्षा व्यवस्था को नए सिरे से मजबूती दी जा रही है।

नालंदा स्पिरिट को जगाना होगा

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय के पुनर्निर्माण का भी जिक्र किया और कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हमें फिर एक बार सदियों पुरानी नालंदा स्पिरिट को जगाना होगा, उसे जीना होगा। विश्वास के साथ हमें विश्व की ज्ञान परंपराओं को नई चेतना देने का काम करना होगा। उन्होंने मातृभाषा में भी शिक्षा पर जोर दिया और राज्यों से कहा कि भाषा के कारण देश की प्रतिभाओं की राह में रुकावट नहीं आनी चाहिए।

कौशल विकास पर जोर दिया

मातृभाषा की ताकत देश की गरीब से गरीब मां के बेटे को भी सपना पूरा करने का ताकत देती है। उन्होंने कौशल विकास पर भी जोर दिया और कहा कि जिस तरह आज विश्व में बदलाव नजर आ रहा है, उनमें कौशल का महत्व बहुत बढ़ गया है। हम कौशल को नई ताकत देना चाहते हैं। हम इंडस्ट्री 4.0 को ध्यान में रखकर कौशल विकास करना चाहते हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के विरोध में महिलाएं करेंगी प्रदर्शन; मंडी हाउस से जंतर-मंतर तक निकालेंगी मार्च

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या मंदिरों में तोड़फोड़ और महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं। इसी के विरोध में शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन होगा। यह प्रदर्शन महिलाओं द्वारा किया जाएगा। बताया गया कि कामकाजी और गृहणी महिलाएं मंडी हाउस से जंतर-मंतर तक मार्च निकालेंगी। इस मार्च में अधिवक्ता डॉक्टर पैरामेडिकल स्टाफ सभी इसमें शामिल होंगे।

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं का विरोध प्रदर्शन होगा। हजारों महिलाएं मंडी हाउस से जंतर-मंतर तक मार्च निकालेंगी।

कामकाजी महिलाएं और गृहणी भी होंगी शामिल

इसमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय सहित विभिन्न कालेजों के छात्र भी शामिल होंगे। कामकाजी महिलाएं और गृहणी भी शामिल होंगी। अधिवक्ता, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ सभी इसमें शामिल होंगे।

विरोध प्रदर्शन मंडी हाउस से शुरू होकर जंतर-मंतर तक होगा

इस नारी शक्ति मार्च का आयोजन नारी शक्ति फोरम द्वारा किया गया है। शुक्रवार को मौन विरोध प्रदर्शन मंडी हाउस से शुरू होकर जंतर-मंतर तक होगा। जिसमें समाज जीवन के सभी क्षेत्रों में कार्यरत एवं सक्रिय महिलाएं भाग लेने वाली हैं।

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से वहां फैली अराजकता, हिंसा में खासकर हिंदू समाज के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उनकी हत्या, उनके दुकानों, घरों को जलाने, मंदिरों में तोड़फोड़ और हिंदू महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं। जिससे पूरे विश्व का हिंदू समाज चिंतित है।

'सच्ची आजादी अभी भी दूर की कौड़ी', मणिपुर के लोगों से मिले राहुल

राहुल गांधी ने स्वतंत्रता दिवस के दिन दिल्ली में हिंसा प्रभावित मणिपुर के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान राहुल गांधी ने इन पीड़िता का दर्द सुना। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि अभी भी इस राज्य के लिए सच्ची आजादी दूर की कौड़ी है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी से इस राज्य का दौरा करने का आग्रह किया है।

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दिल्ली में रहने वाले मणिपुर के नागरिकों के एक समूह से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक बार फिर हिंसा प्रभावित राज्य का दौरा करने का आग्रह किया।

इन लोगों में मणिपुर के सभी प्रमुख जातीय समूह शामिल थे और राहुल ने लाल किले के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के बाद उनके साथ दो घंटे से अधिक समय बिताया।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, "आज, मैं दिल्ली में रहने वाले मणिपुरी लोगों के एक समूह से मिला, जिन्होंने अपने क्षेत्र में संघर्ष की शुरुआत के बाद से अपने दिल दहला देने वाले संघर्षों को साझा किया। उन्होंने प्रियजनों से अलग होने के दर्द और संघर्ष के कारण उनके समुदायों पर पड़ने वाले शारीरिक और मानसिक बोझ के बारे में बात की।"

उन्होंने कहा, "अपनी सुरक्षा की चिंता के कारण, उन्होंने प्रतिशोध के डर से अपने चेहरे न दिखाने का अनुरोध किया। यह कठोर वास्तविकता है जिसे मणिपुर में हमारे भाई-बहन झेलते हैं। कहा कि निरंतर भय की स्थिति है।"

कांग्रेस नेता ने कहा कि मणिपुर में सच्ची आजादी अभी भी दूर की कौड़ी है और उन्होंने देश से राज्य की दुर्दशा पर विचार करने का आग्रह किया, क्योंकि भारत स्वतंत्रता दिवस मना रहा है।

राहुल ने पीएम मोदी से किया आग्रह

उन्होंने कहा, ₹मैं प्रधानमंत्री से एक बार फिर मणिपुर आने और केंद्र और राज्य सरकारों से जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में काम करने का आग्रह करता हूं।₹ कांग्रेस की एक विज्ञप्ति के अनुसार, राहुल से मिलने वाले समूह के सदस्यों ने अपने दोस्तों और परिवार से अलग होने का दर्द साझा किया और संघर्ष के परिणामस्वरूप खत्म हुई दोस्ती के बारे में बताया।

पीएम मोदी पर कई बार किया जुबानी हमला

उन्होंने मणिपुर के लोगों के सामने आ रही शारीरिक सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और राहत प्रयासों की चुनौतियों की भी बात की। राहुल ने मई 2023 में घाटी में रहने वाले मैतेई समुदाय और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति कुकी-जो समुदायों के बीच हिंसा भड़कने के बाद से मणिपुर का दौरा न करने के लिए पीएम मोदी पर कई बार हमला किया है।

मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने की मांग के विरोध में ऑल ट्राइबल्स स्टूडेंट्स यूनियन (ATSU) द्वारा आयोजित एक रैली के दौरान झड़प के बाद पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा भड़क उठी थी। दोनों समुदायों के बीच हिंसा की रुक-रुक कर होने वाली घटनाएं अभी भी सामने आ रही हैं और राज्य में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है।

केंद्र ने अनीश दयाल सिंह को सौंपा NSG के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार, गृह मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

केंद्र सरकार ने सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के महानिदेशक पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। अनीश दयाल सिंह नलिन प्रभात की जगह अपनी भूमिका निभाएंगे। दयाल 1988-बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इससे पहले अनीश दयाल सिंह के पास आईटीबीपी के महानिदेशक का पद भी रह चुका है। वहीं केंद्र उनकी नियुक्ति को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के महानिदेशक पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। अनीश दयाल सिंह नलिन प्रभात की जगह अपनी भूमिका निभाएंगे। दयाल 1988-बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इससे पहले अनीश दयाल सिंह आईटीबीपी के महानिदेशक रह चुके है। केंद्र सरकार ने एनएसजी के महानिदेशक नलिन प्रभात का कार्यकाल बुधवार को समय से पहले समाप्त कर दिया और आंध्रप्रदेश संवर्ग से एजीएमयूटी संवर्ग में उनकी प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया। नियुक्ति से संबंधित मंत्रिमंडल की समिति (एसीसी) की ओर से जारी आदेश के मुताबिक समिति ने 'नेशनल सेक्युरिटी गार्ड (एनएसजी)' के महानिदेशक के तौर पर 1992 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी प्रभात का कार्यकाल 'समय से पहले खत्म' करने के गृहमंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023